सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 146 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार 1 जुलाई, 2025
मूल्य ₹ 3/-

हम जिस किसी भी चीज की विश्वास के साथ उम्मीद करते हैं वो हमारी स्वत: परिपूर्ण भविष्यवाणी हो जाता है।
-ब्रायन ट्रेसी

टी-20 सीरीज : विजय अभियान जारी रखने... 7 | सुसाइड मामलों में देश में आयी... 3 | भाजपा प्रदेश का माहौल बिगाड़ना... 2

बैकफुट पर फडणवीस सरकार

उद्धव-राज की जोड़ी से डरा महाराष्ट्र में महायुति गठबंधन

» वापस लिया फैसला, अब नहीं लागू होंगे हिंदी के अनिवार्य क्लास
» भाषा विवाद में विपक्ष की पहली जीत
» सरकार का बैकफुट पर आना पहली हार
» तेलंगाना, तमिलनाडु और केरल में अभी भी सुलग रही है आग
» भाईयों के तेवर से घबराई भाजपा सरकार

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र की राजनीति एक बार फिर गर्म है। इस बार मुद्दा है हिंदी भाषा को अनिवार्य करने का विवाद जिस पर फडणवीस-शिंदे की महायुति सरकार को पीछे हटना पड़ा है। जिस फैसले को कुछ दिन पहले तक राष्ट्रीय एकता और संघीय सौहार्द्र के नाम पर सही ठहराया जा रहा था आज उसे अब जनभावनाओं का सम्मान बताते हुए चुपचाप वापस ले लिया गया है।

महाराष्ट्र में विभिन्न मुददों पर पिटने के बाद विपक्ष की यह पहली बड़ी जीत है। राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे ने स्मार्ट तरीके से इस मुददे को सीधे महाराष्ट्र की अस्मिता से जोड़ कर जनता के सामने पेश किया। वहीं जनता का गुस्सा, सोशल मीडिया पर विरोध, छात्र संगठनों का धरना और विपक्ष का आक्रोश- इन सबने सरकार को बैकफुट पर ला खड़ा किया। सीएम फडणवीस को खुद सामने आकर कहना पड़ा कि हिंदी को अनिवार्य नहीं किया जाएगा। राज्य की भाषाई अस्मिता का सम्मान किया जाएगा। यह एक तरह से सरकार की हार है। इसे सिर्फ नीतिगत बदलाव कहकर नहीं टाला जा सकता। यह राजनीतिक दबाव और जनभावना के आगे घुटने टेकने का मामला है।

सरकार की बेचैनी बढ़नी तय थी

राज ठाकरे लंबे समय से महाराष्ट्र में हिंदी के बढ़ते प्रभाव के खिलाफ बोलते रहे हैं वहीं उद्धव ठाकरे ने भी इस बार खुलकर मोर्चा लिया। उद्धव ने कहा कि मराठी राज्य में मराठी को ही किनारे किया जा रहा है। ये भाषा का नहीं पहचान का सवाल है। वहीं राज ठाकरे ने एक कदम और आगे बढ़ते हुए चेतावनी दी कि यदि हिंदी थोपने की कोशिश की गई तो एमएनएस स्टाइल में जवाब दिया जाएगा। इन दोनों नेताओं की भाषा और तेवर ने माहौल को इतना गरमा दिया कि एनसीपी शरद पवार धड़ा भी खुलकर सरकार पर बरस पड़ा।

विपक्ष की जीत

यह पहला मौका है जब विपक्ष को भाषा जैसे भावनात्मक मुद्दे पर सीधी बढ़त मिली है। उद्धव ठाकरे, राज ठाकरे और शरद पवार की तिकड़ी ने महायुति के अंदर भी तनाव पैदा कर दिया है। शिंदे गुट की मराठी प्रतिबद्धता पर भी सवाल उठे हैं जो कि उनकी राजनीतिक वैधता का आधार रही है। इसके अलावा कांग्रेस ने भी इस मामले में केंद्र सरकार और संघ को घेरते हुए इसे संघीय ढांचे पर हमला करार दिया है।

'सरकार ने महाराष्ट्र की जनता की भावनाओं को समझा'

केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने पत्रकारों से बात करते हुए हिंदी विवाद पर कहा है कि हिंदी को लेकर महाराष्ट्र के लोगों ने विरोध का रास्ता लिया। सरकार ने आंदोलन से पहले ही सिक्सर मारा है। हिंदी भाषा को लेकर जो विरोध होने वाला था उसे खत्म करने का काम किया। आठवले ने कहा हिंदी भाषा को अनिवार्य किया जाना चाहिए, लेकिन प्राइमरी स्तर पर नहीं क्योंकि वहां 6 साल के छोटे बच्चे होते हैं। सरकार ने महाराष्ट्र की जनता की भावनाओं को देखते हुए यह निर्णय लिया है।

अन्य राज्यों में धधक रही है आग

यह कोई अकेला मामला नहीं है। तमिलनाडु में तो हिंदी विरोध एक राजनीतिक अभियान बन चुका है। वहां की राज्य सरकार ने स्पष्ट रूप से केंद्र के हिंदी थोपने के किसी भी प्रयास को नकारा है। तेलंगाना में भी राज्य की भाषा नीति में किसी बाहरी हस्तक्षेप को अस्वीकार्य बताया जा रहा है। और केरल ने शिक्षा में मातृभाषा की भूमिका को प्राथमिकता देने की ठोस रणनीति अपनाई है। महाराष्ट्र ने इन राज्यों से संकेत लिया या डर खाया - ये तो अंदरखाने की बात है, लेकिन अब यह साफ है कि हिंदी थोपने की नीति पर राजनीतिक समर्थन दरक रहा है।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने मनाया 52वां जन्मदिन

» बधाई देने को उमड़ी समर्थकों की भीड़
» सभी पार्टी के नेताओं ने दी शुभकामनाएं

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव आज यानी मंगलवार को अपना 52वां जन्मदिन मना रहे हैं। इस मौके पर उन्हें बधाई देने वाले लोगों का तांता लगा हुआ है।

सुबह से लोग उन्हें जन्मदिन की बधाई दे रहे हैं। अपने जन्मदिन के मौके पर सपा मुखिया अखिलेश यादव पार्टी मुख्यालय पहुंचे हैं। वहां पर बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता व समर्थक उन्हें बधाई देने के लिए मौजूद रहे। अखिलेश के आते ही कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया।

सामाजिक न्याय की मशाल बढ़ा रहे हैं अखिलेश : स्टालिन

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने सपा अध्यक्ष को शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने मुलायम सिंह यादव का जिक्र करते हुए सपा अध्यक्ष को सामाजिक न्याय की मशाल बढ़ाने का संदेश दिया। स्टालिन ने अपने बधाई संदेश के जरिए सिंबल पॉलिटिक्स यानी प्रतीकों की राजनीति पर ज्यादा जोर देने की कोशिश की है। स्टालिन ने अखिलेश के जन्मदिन पर जो तस्वीर शेयर की है, उसके बैकग्राउंड में पूर्व प्रधानमंत्री विश्वनाथ प्रताप सिंह का पोस्टर लगा हुआ है। आप प्रगतिशील राजनीति का मार्ग प्रशस्त करते हुए वीपी सिंह की भूमि पर सामाजिक न्याय की मशाल को आगे ले जाएं और अपने पिता मुलायम सिंह की गौरवशाली विरासत में प्रतिगामी विचारधाराओं के खिलाफ और अधिक मजबूती से खड़े हों।

सीएम योगी ने दी शुभकामना

इस मौके पर सुबह-सुबह सीएम योगी ने भी अखिलेश को बधाई दी। इस पर सपा मुखिया ने उनका आभार व्यक्त किया। सीएम योगी आदित्यनाथ ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव को जन्मदिन की हार्दिक बधाई। इस पर अखिलेश ने उन शुभकामनाओं के लिए उनको धन्यवाद कहा। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव जी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई!

अखिलेश को जन्मदिन पर हार्दिक बधाई : मायावती

सपा मुखिया को बधाई देने वालों में बसपा प्रमुख मायावती भी शामिल रहीं। उन्होंने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि, समाजवादी पार्टी के प्रमुख एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री व वर्तमान सांसद अखिलेश यादव को जन्मदिन पर हार्दिक बधाई। उनके सुखी व दीर्घायु जीवन की भी ढेरों शुभकामनाएं। अखिलेश यादव ने पोस्ट पर रिप्लाई करते शुभकामनाओं के लिए बसपा प्रमुख का आभार व्यक्त किया।

भाजपा प्रदेश का माहौल बिगाड़ना चाहती है : सुमन

इटावा घटना पर बोले सपा सांसद- विचारधाराओं का टकराव, जातिवाद नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

फिरोजाबाद। सपा के राज्यसभा सदस्य रामजी लाल सुमन ने सोमवार दोपहर इटावा की घटना की निंदा करते हुए कहा कि यह जातियों का नहीं, दो विचारधाराओं का टकराव है। भागवत की कथा पर किसी की बपौती नहीं है। ऐसा समझने वाले गलतफहमी में हैं। सपा धर्म-जाति की नहीं, उसूलों की राजनीति करती है। पूरे देश की राजनीति से भाजपा को हराने में उनकी पार्टी अहम भूमिका निभाएगी।

राज्यसभा सदस्य दोपहर में सैलई स्थित नारायणी सेवा सदन में सपा द्वारा आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने आए थे। इस दौरान मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि यादव कथावाचक के साथ हुई घटना दो सोच, संस्कृति और विचारधारा का टकराव है। यदि किसी एससी, यादव और पिछड़ा वर्ग का व्यक्ति विद्या, भागवत, गीता और अन्य पुराणों को पढ़ कर पंडित बन गया तो क्या उसने कोई गलती कर दी? भाजपा धर्म-जाति की राजनीति कर देश-प्रदेश का माहौल बिगाड़ रही है। सांसद ने कहा, कि हमारी पार्टी इटावा

के पीड़ित पक्ष के साथ है। बिहार विधानसभा चुनाव सपा लड़ेगी या नहीं, यह पार्टी का संसदीय बोर्ड तय करेगा। एक प्रश्न के जवाब में उन्होंने कहा कि पूरी पार्टी पूर्व मंत्री आजम खान के साथ खड़ी है। उनके बेटे ने इस बात को कहा भी है।

भागवत की कथा पर किसी की बपौती नहीं, ऐसा समझने वाले गलतफहमी में हैं

राज्य सभा सदस्य ने नौ जुलाई को एटा के जलेसर में अधिक से अधिक संख्या में चलने का आह्वान किया। पिछले दिनों वहां कुछ अराजकतत्वों ने बौद्ध धर्म से जुड़ीं कुछ मूर्तियां क्षतिग्रस्त कर दी थीं। वहां सभा का आयोजन किया गया है। वार्ता के समय जिलाध्यक्ष शिवराज सिंह यादव, पूर्व विधायक रमेश चंद्र चंचल, पूर्व एमएलसी डा. दिलीप यादव, अजीम भाई, खालिद नसीर, रघुराज सबिता, मीना राजपूत, सतेंद्र जैन सौली, डा. रोमा यादव, इंद्रवती, मुकेश कुमार आदि लोग उपस्थित थे। सांसद ने कहा, कि हमारी पार्टी इटावा के पीड़ित पक्ष के साथ है। बिहार विधानसभा चुनाव सपा लड़ेगी या नहीं, यह पार्टी का संसदीय बोर्ड तय करेगा। एक प्रश्न के जवाब में उन्होंने कहा कि पूरी पार्टी पूर्व मंत्री आजम खान के साथ खड़ी है। उनके बेटे ने इस बात को कहा भी है।

सपा मुखिया का जन्मदिवस मनाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सुलतानपुर। आज अपनी विधानसभा 189 सदर जयसिंहपुरे के ग्राम सभा बिरैता पालीपुर में समाजवादी पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष छात्रसभा राकेश कुमार श्रीवास्तव 'दीपू' ने राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का 52वां जन्मदिन अपने किसान भाइयों के साथ खेत में धान रोपाई कर हर्षोल्लास से मनाया।

यूपी में गरीबों को शिक्षा से वंचित नहीं होने देंगे : संजय

स्कूलों के विलय के खिलाफ दो जुलाई को प्रदर्शन करेगी आप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में सरकारी स्कूलों के विलय के मुद्दे पर आम आदमी पार्टी दो जुलाई को प्रदेश भर में प्रदर्शन करेगी। आप ने आरोप लगाया है कि प्रदेश के 27 हजार सरकारी स्कूलों का विलय किया जा रहा है। ये गरीबों को शिक्षा से वंचित करने की साजिश है। आप के सांसद संजय सिंह का कहना है कि प्रदेश में विलय करके प्रदेश के 27 हजार स्कूलों को बंद किया जा रहा है। इससे पहले उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रांतीय आह्वान पर सोमवार को सभी विकास क्षेत्रों में ब्लॉक संसाधन केंद्रों पर शिक्षकों ने प्रदर्शन किया।

विद्यालयों का विलय किए जाने का विरोध करते हुए आवाज बुलंद की। प्रदर्शन में ग्राम प्रधानों, विद्यालय प्रबंध समिति के पदाधिकारियों व अभिभावकों ने भी हिस्सा लिया। ब्लॉक संसाधन केंद्र ऊंचाहार में हुए प्रदर्शन में संघ के जिलाध्यक्ष राजेश शुक्ला ने कहा कि मनमाने तरीके से विद्यालय बंद करने का काम किया जा रहा है। एसएमसी को एकदम नजरंदाज कर दिया गया है। जिला

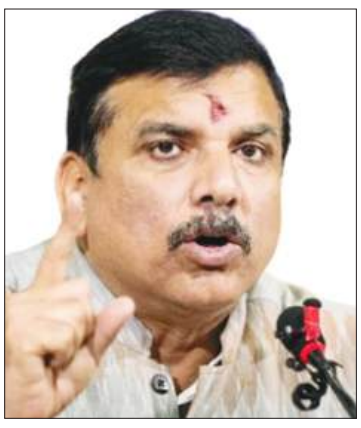

मंत्री मुकेश द्विवेदी ने कहा कि इस मामले में संघर्ष करते रहेंगे। संघर्ष समिति के अध्यक्ष पंकज द्विवेदी और संघ के जिला संयुक्त मंत्री डॉ. चंद्रमणि बाजपेयी ने कहा कि एक किमी. के अंदर प्राथमिक शिक्षा उपलब्ध होनी चाहिए, लेकिन कम छात्र संख्या का हवाला देकर स्कूलों को बंद किया जा रहा है। प्राथमिक शिक्षक संघ के दूसरे गुट ने सोमवार को विकास भवन परिसर में प्रदर्शन कर दो विधायकों को ज्ञापन सौंपा। संगठन की ओर से बछरावां विधायक श्याम सुंदर भारती, हरचंदपुर विधायक राहुल भारती व समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष वीरेंद्र यादव को ज्ञापन दिया।

कोई भी पार्टी अन्नाद्रमुक पर हावी नहीं हो सकती : पलानीस्वामी

एआईडीएमके महासचिव ने भाजपा को लेकर दी प्रतिक्रिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ अपनी पार्टी के चुनावी गठबंधन का बचाव करते हुए 'ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम' (अन्नाद्रमुक) के महासचिव ई.के. पलानीस्वामी ने कहा कि कोई भी दल 30 वर्ष से अधिक समय तक तमिलनाडु पर शासन करने वाली उनकी पार्टी पर हावी नहीं हो सकता, चाहे वह कितना भी बड़ा क्यों न हो।

भाजपा के अन्नाद्रमुक पर हावी होने की अटकलों के बीच पार्टी की तीखी आलोचनाओं का जवाब देते हुए पलानीस्वामी ने कहा कि उनकी पार्टी 50 साल से ज्यादा पुरानी है, उसने तमिलनाडु पर करीब 31 साल तक शासन किया है और इतनी बड़ी पार्टी पर कोई हावी नहीं हो सकता। सत्तारूढ़ द्रमुक और विदुथालाई चिरुथैगल काची (वीसीके) समेत कई पार्टियों ने अन्नाद्रमुक के भाजपा के

साथ गठबंधन की कड़ी आलोचना की है। एक जनसभा को संबोधित करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि उनकी पार्टी 2026 के विधानसभा चुनाव में जीतकर सबसे बड़ी पार्टी के रूप में बहुमत से सरकार बनाएगी। आगामी विधानसभा चुनाव से पहले एक मजबूत गठबंधन बनाने का विश्वास जताते हुए पलानीस्वामी ने कहा कि भाजपा के साथ गठबंधन केवल पहला चरण है। भाजपा के साथ गठबंधन करने के लिए अन्नाद्रमुक की आलोचना करने के लिए पलानीस्वामी ने स्टालिन पर निशाना साधा और पूछा कि मुख्यमंत्री को इस बात की चिंता क्यों हो रही है? अन्नाद्रमुक के नेता ने आरोप लगाया कि द्रमुक सरकार के दौरान पंजीकरण कार्यालयों सहित कई विभागों में बड़े स्तर पर भ्रष्टाचार हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया, ''कोई भी जगह ऐसी नहीं है जहां भ्रष्टाचार न हो। कमीशन, वसूली, भ्रष्टाचार ये सब सिर्फ द्रमुक सरकार में ही देखने को मिलता है। यही है द्रमुक के चार साल के शासन की सबसे बड़ी उपलब्धि।

स्टालिन घबरा गए हैं

अन्नाद्रमुक के प्रमुख ने कहा, ''स्टालिन घबरा गए हैं।'' उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अन्नाद्रमुक और भाजपा के बीच गठबंधन को बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं। इस बात पर बल देते हुए कि उनकी पार्टी के सत्ता में आने के बाद द्रमुक नेताओं के खिलाफ मामलों को फिर से शुरू किया जाएगा, पलानीस्वामी ने कहा, ''अब जो पलानीस्वामी आप देखने वाले हैं, वह पहले से अलग होगा।''

तेलंगाना में भाजपा को बड़ा झटका

विधायक टी राजा सिंह ने पार्टी से दिया इस्तीफा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। भाजपा को झटका देते हुए तेलंगाना के गोशामहल से विधायक टी राजा सिंह ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने पार्टी के राज्य नेतृत्व के लिए चल रही खींचतान पर नाराजगी जताते हुए राज्य भाजपा प्रमुख जी किशन रेड्डी को अपना इस्तीफा भेजा।

अपने पत्र में राजा सिंह ने स्पष्ट किया कि भले ही वह भाजपा से अलग हो रहे हैं, लेकिन हिंदुत्व विचारधारा और धर्म की सेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता अपरिवर्तित है। उन्होंने कहा कि मैं अपनी आवाज उठाता रहूंगा और

हिंदू समुदाय के साथ और भी अधिक मजबूती से खड़ा रहूंगा। इससे पहले राजा सिंह ने भाजपा नेतृत्व से उन्हें पार्टी का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त करने की अपील की थी। राजा सिंह ने एक वीडियो में कहा कि पार्टी के कई कार्यकर्ता उन्हें फोन कर रहे हैं और उन्हें अध्यक्ष पद पर देखने की इच्छा जता रहे हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वह इस पद पर काम करने के लिए पार्टी हाईकमान से अवसर मांग रहे हैं।

4 ट्रिलियन अर्थव्यवस्था का सच

सुसाइड मामलों में देश में आयी बाढ़

- यूपी की राजधानी लखनऊ में एक और परिवार ने जहर खाकर जान दी
- वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बयान जारी कर अर्थव्यवस्था में गति की कही है कही है बात
- अलग-अलग कमरों में मिले शव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। 4 ट्रिलियन इकॉनमी के शोर के बीच बहुत से ऐसे भी लोग हैं जो कर्ज से दबे है जिनका पेट खाली है और वह तेजी से मानसिक रूप से टूट रहे हैं। इन्ही लोगों में एक लखनउ के शोभित रस्तोगी का परिवार भी था। आज दर्दनाक खबर आयी कि शोभित, उसकी पत्नी शुचिता और बेटी प्रीति ने एक साथ जहर खाकर जान दे दी। इससे पूर्व में भी लखनऊ इस प्रकार की घटनाओं से दो चार हो चुका है। शोभित कपड़ों के व्यापारी थे और राजाजीपुरम जैसे पॉश इलाके में उसकी जुगल फैशन प्वाइंट के नाम से दुकान थी।

मृतक परिवार के पास से सुसाइड नोट मिला है जिसमें लिखा है कि उनकी मौत का कोई जिम्मेदार नहीं है। आसपास के लोगों के मुताबिक शोभित सुलझा हुआ व्यक्ति था और कोविड के बाद से परेशान चल रहा था। समाज शास्त्री इस हादसे को इमेज प्रेशर के तौर पर देख रहे हैं।

आत्महत्या की खबर मिलते ही इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची तीनों शव को कब्जे में लेकर पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। शुरुआती जांच में कर्ज और मानसिक दबाव को वजह बताया जा रहा है। मौके पर पहुंची पुलिस ने देखा कि तीनों शव अलग-अलग कमरों में पड़े थे। मौके पर कोई संघर्ष या हिंसा के निशान नहीं मिले हैं। फॉरेंसिक टीम और डॉग स्क्वॉड को भी मौके पर बुलाया गया है। कमरे में एक खाली जहर की शीशी मिलने के बाद आत्महत्या की आशंका और मजबूत हो गई है।

1966 में पहली बार आत्महत्या की दर में नाटकीय वृद्धि देखी गई

1966 में पहली बार प्रकाशित एडीएसआई रिपोर्ट के बाद से आत्महत्या की दर में नाटकीय वृद्धि देखी गई है। 2022 में, आत्महत्या की दर 2021 से 4.2प्रतिशत बढ़कर 12 से 12.4 प्रति 100,000 जनसंख्या (1,64,033 से 1,70,924) हो गई – जो 56 वर्षों में दर्ज की गई सबसे अधिक दर है। यह वही वर्ष है जब भारत

सरकार ने राष्ट्रीय आत्महत्या रोकथाम रणनीति शुरू की, जो आत्महत्या की रोकथाम के लिए देशव्यापी दृष्टिकोण को स्पष्ट करने के लिए एक सराहनीय कदम है। रणनीति ने 2020 के आधार वर्ष की तुलना में आत्महत्या से होने वाली मौतों में 10प्रतिशत की कमी लाने के स्पष्ट लक्ष्य को रेखांकित किया। हालाँकि, दर में तीव्र वृद्धि इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए अंतराल को बढ़ाती है।

सरकारी सहायता पर फिर नाराजगी

इस घटना ने एक बार फिर छोटे व्यापारियों के आर्थिक हालात और सरकारी सहायता योजनाओं की विफलता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। आदर्श व्यापार संघ के अध्यक्ष ने कहा है कि पीड़ित परिवार को मुआवज़ा दिया जाए और छोटे कारोबारियों को राहत पहुंचाने के लिए तत्काल कदम उठाए जाएं।

आर्थिक असमानता की भयानक परते

देश के भीतर आर्थिक असमानता की परतों की आग दहक रही है। मैन्युफैक्चरिंग, टेक्नोलॉजी, स्टार्टअप्स और फाइनेंस सेक्टर में कुछ विशिष्ट वर्गों की जबर्दस्त ग्रोथ को देश की कुल तरक्की मानना स्टैटिक्स पाखंड से ज्यादा कुछ नहीं है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के अनुसार भारत की प्रति व्यक्ति आय अभी भी 2,800 से कम है, जो विश्व औसत से बहुत नीचे है। ऑक्सफाम की रिपोर्ट चीख चीख कर बता रही है कि 1 फीसदी अमीरों के पास कुल संपत्ति का 45 फीसदी हिस्सा है जबकि निचले 50 फीसदी के पास सिर्फ़ 6 फीसदी है। सीएमआईई के मुताबिक शहरी युवा बेरोज़गारी दर अब भी 17 फीसदी के आसपास है।

वित्त मंत्री के बयान से अलग है हकीकत!

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपना मीडिया इंटरव्यू पोस्ट करते हुए वित्त मंत्री ने बताया है कि भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती हुई इकोनॉमी है और आने वाले समय में अच्छे मानसून और कृषि के कारण और बेहतर प्रदर्शन कर सकती है। उन्होंने आगे कहा कि हमारे बाजारों की गहराई वास्तव में दिख रही है और

इससे खुदरा विक्रेताओं और आम नागरिकों को लाभ हो रहा है। वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि हमारी प्रणालियां पारदर्शी और डिजिटल हैं और घर बैठे ही उन तक पहुंचा जा सकता है। व्यक्ति दूसरों की मदद पर निर्भर रहने के बजाय खुद ही यह काम कर सकते हैं। ये एक बहुत अच्छी गतिशील अर्थव्यवस्था के संकेत हैं। वित्त मंत्री ने आगे कहा कि हमारी नीति स्पष्ट है कि श्रम-प्रधान इकाइयों को सहायता दी जाएगी।

शोभित की आत्महत्या ने उठाए कई सवाल

शोभित रस्तोगी की आत्महत्या महज एक व्यक्तिगत त्रासदी नहीं है बल्कि यह पूरी व्यवस्था की विफलता का प्रतीक है। पत्नी और बेटी को साथ लेकर ज़हर खाने वाला शोभित न्यू इंडिया का चेहरा है जो आँकड़ों में दौड़ता है लेकिन ज़मीनी हकीकत में लड़खड़ा गया। सवाल सिर्फ एक है कि हम सिर्फ़ डिजिटल इकॉनॉमी और विकसति भारत के के नारे लगाते रहेंगे या आत्महत्या कर रहे नागरिकों की चीखें सुनेंगे? क्या सरकार को अब आत्महत्याओं को व्यक्तिगत मामला मानने से ऊपर उठना चाहिए? क्या हम एक ऐसी अर्थव्यवस्था चाहते हैं जिसमें कुछ अरबपति और लाखों मरते हुए व्यापारी हों?

लोन बना मौत का कारण

मृतक शोभित रस्तोगी जिनकी आयु लगभग 42 वर्ष थी वह लखनउ के राजाजीपुरम इलाके में कपड़े की एक छोटी दुकान चलाते थे। उनकी पत्नी सुचिता जिनकी आयु 38 वर्ष थी वह हाउस फाइव थी और बेटी प्रीति की उम्र 16 वर्ष थी और वह क्लास 11 में पढ़ाई कर रही थी। परिवार मध्यमवर्गीय था लेकिन पिछले कुछ महीनों से आर्थिक समस्याओं और पारिवारिक तनाव से जूझ रहा था। पड़ोसियों के अनुसार शोभित अक्सर आर्थिक समस्याओं की बात करते रहते थे उन्होंने कुछ महीने पहले दुकान में घाटे के चलते ऋण लिया था जिसकी किस्तें समय से नहीं दे पा रहे थे।

कृषि क्षेत्र से जुड़े लोगों की आत्महत्या करने के मामलों में इजाफा हुआ

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2022 में खेती किसानी से जुड़े लोगों की आत्महत्या से होने वाली मौतों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। चार दिसंबर को जारी लेटेस्ट अपडेट के अनुसार राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों के अनुसार पिछले साल देश भर से लगभग 11,290 आत्महत्या के ऐसे मामले सामने आए हैं। 2021 से 3.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, इस दौरान 10,281 मौतें दर्ज की गई थीं। 2020 के आंकड़ों की तुलना में 5.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई है. 2022 के आंकड़े बताते हैं कि देश में हर घंटे कम से कम एक किसान ने आत्महत्या की है. वहीं, 2019 से किसानों की आत्महत्या से होने वाली मौतों में बढ़ोतरी देखी जा रही है, जब डेटा में 10,281 मौतें दर्ज की गईं। रिपोर्ट के अनुसार पिछले कुछ साल भारत में कृषि के लिए अच्छे नहीं रहे हैं. साल 2022 में जिस वर्ष के लिए एनसीआरबी ने डेटा जारी किया है। कई प्रदेशों में सूखे की स्थिति और असामयिक लगातार बारिश भी हुई है। जिस कारण खड़ी फसलें तक नष्ट हो गईं। वहीं, चारे की कीमतें आसमान छू रही हैं। रिपोर्ट के मुताबिक खेती में लगे 11,290 व्यक्तियों में से आत्महत्या करने वालों में 53 प्रतिशत (6,083) खेतिहर मजदूर हैं। पिछले कुछ सालों में एक औसत कृषि परिवार की अपनी आय के लिए फसल उत्पादन के बजाय खेती से मिलने वाली मजदूरी पर निर्भरता बढ़ती जा रही है। साल 2022 में आत्महत्या करने वाले 5,207 किसानों में 4,999 पुरुष हैं. जबकि 208 महिलाएं भी शामिल हैं।

2024 में भारत में आत्महत्या की दर

एनसीआरबी के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, 2022 में राष्ट्रीय आत्महत्या दर 12.4 प्रति लाख व्यक्ति थी, जबकि सीआईएसएफ ने 2024 में अपनी आत्महत्या दर को घटाकर 9.87 प्रति लाख कर दिया है, जो 2023 में 40प्रतिशत से अधिक की गिरावट है।2 जनवरी 2025। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) ने वर्ष 2022 के लिए भारत में आकस्मिक मृत्यु और आत्महत्या (एडीएसआई) रिपोर्ट जारी की। एडीएसआई रिपोर्ट आत्महत्या से होने वाली मौतों पर देश में एकमात्र सार्वजनिक रूप से उपलब्ध डेटासेट है।

आत्महत्या और आयु

सभी आयु समूहों में आत्महत्या की दर औसतन 5प्रतिशत बढ़ी, सिवाय 18 वर्ष से कम आयु के युवाओं के, जिनकी आत्महत्या दर में मामूली गिरावट देखी गई। 18-30 वर्ष की आयु के युवा वयस्कों ने 2022 में सभी आत्महत्याओं में 35त्न का योगदान दिया, जो सबसे बड़ा हिस्सा है। इसके बाद 30 से 45 वर्ष की आयु के वयस्कों का स्थान रहा, जिन्होंने सभी आत्महत्याओं के अनुपात का 32प्रतिशत हिस्सा बनाया। दोनों आयु समूहों ने सामूहिक रूप से देश में आत्महत्या से होने वाली मौतों का 67 प्रतिशत हिस्सा लिया।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

समाज को आज इमोशनल डंपिंग से बचाना जरूरी

इमोशनल डंपिंग समाज को नकारात्मक दृष्टि से प्रभावित कर रही है। आज संप्रेषण या संवाद के विभिन्न माध्यमों से हम अपनी भड़ास निकाल लेते हैं और सामने वाले की मनोस्थिति को समझने का प्रयास ही नहीं करते। अगला व्यक्ति इस समय किन परिस्थितियों से गुजर रहा है, उसके पास आपकी भड़ास सुनने का समय भी है या नहीं, या आपकी भड़ास का निदान कर सकता है या नहीं आपकी समस्या से जूझने की क्षमता भी है या नहीं। यह अपने आपमें एक समस्या हो जाती है। इमोशनल डंपिंग देखा जाए तो पूरी तरह से नकारात्मक और एकतरफा तरीका है और यह आज इस कदर हाबी हो गया है कि आसानी से आज व्यक्ति इससे दो चार हो रहे हैं। इमोशनल डंपिंग का सीधा सीधा मतलब यह है कि अपनी बात डंप करते समय या यों कहें कि साझा करते समय सामने वाले की मनोदशा, सहमति, असहमति, समय, विषय या अन्य से डंप करने वाले को कोई लेना देना नहीं रहता और आज यही हो रहा है।

ऐसे में इमोशनल डंपिंग के शिकार लोगों के प्रति मनोविज्ञानी गंभीर चिंतन मनन में लगे हैं। वहीं इग्नोर करने, दूसरी बातों में ध्यान लगाने, अवसर मिलने पर सामने वाले को असहमति से अवगत कराने और उसे अनावश्यक संवाद के लिए इशारों में मना करने की हिम्मत भी जुटानी होगी क्योंकि दूसरे को मुसिबत में सहायता कोई बात साझा करने में और इक तरफा भड़ास निकालने में अंतर होता है। स्वयं तनाव के बोझ से मुक्त होने के लिए दूसरे को तनाव में ड़ालना किसी भी हालात में उचित नहीं माना जा सकता। नहीं तो जिस तेजी से आज इमोशनल डंपिंग का दौर चला है वह आने वाले समय में और भी अधिक गंभीर और समाज के लिए नकारात्मकता फैलाने वाला हो जाएगा। ऐसे में सोशियल मीडिया के उपयोग के समय उसमें रम जाने की मानसिकता को छोड़ना होगा। रील्स या शार्टस में प्रस्तुत सामग्री के प्रति अधिक गंभीर होने की आवश्यकता नहीं रह जाती है क्योंकि उसके समय व विश्वसनीयता प्रश्नों के घेरे में हमेशा बनी रहती है। एक तरह से यह तो भावनात्मक ब्लेकमेलिंग का माध्यम बनता जा रहा है। दूसरा यह कि जो सामग्री आपको विभिन्न प्लेटफार्म से मिल रही है उसे गंभीरता से लेने की इसलिए आवश्यकता नहीं हैं क्योंकि उस सामग्री पर प्रतिक्रिया के चक्कर या प्रतिक्रियाओं के चक्रव्यूह में फंसने से आपमी मानसिक शांति भंग होना स्वाभाविक है। इसलिए दिमाग पर अधिक बोझ ड़ालने की आवश्यकता नहीं होनी चाहिए। दरअसल सामने वाले व्यक्ति को हम आउटलेट समझ कर उसके साथ व्यवहार करते हैं। कहीं वह अपने आपको अपराधी जैसा समझने लगता है। एक तरह से सामने वाला व्यक्ति आब्जेक्ट के रुप में मानने लगते हैं।

“ इमोशनल डंपिंग देखा जाए तो पूरी तरह से नकारात्मक और एकतरफा तरीका है और यह आज इस कदर हाबी हो गया है कि आसानी से आज व्यक्ति इससे दो चार हो रहे हैं। इमोशनल डंपिंग का सीधा सीधा मतलब यह है कि अपनी बात डंप करते समय या यों कहें कि साझा करते समय सामने वाले की मनोदशा, सहमति, असहमति, समय, विषय या अन्य से डंप करने वाले को कोई लेना देना नहीं रहता और आज यही हो रहा है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

आंतरिक जगत से अनभिज्ञता ही दुखों का कारण

डॉ. मधुसूदन शर्मा

भौतिक लिप्साओं के सम्मोहन और दुनियावी चमक-दमक में डूबा मनुष्य जीवनपर्यंत यह नहीं जान पाता कि उसके जीवन का वास्तविक दूदे उद्देश्य आखिर क्या है। जन्म लेने से मृत्यु तक मनुष्य को पारिवारिक संस्था से सिखाने की आरंभ हुई प्रक्रिया स्कूल-कालेज होती हुए तकनीकी संस्थानों तक मनुष्य को ज्ञान देती रहती हैं। प्राचीन समय में बाह्य ज्ञान की आपाधापी में मनुष्य को खुद को पहचानने की सीख हमारा धर्म व अध्यात्म देता रहा है। ताकि जिससे मनुष्य अंतर्मुखी होकर अपनी आंतरिक शक्तियों को जान सके। हमारे ऋषि-मुनि सदियों से मनुष्य को खुद को जानने का मार्ग बताते रहे हैं। ताकि जिससे मनुष्य को अपनी आंतरिक शक्तियों का भान हो सके। हमारे आध्यात्मिक व धार्मिक गुरु अपनी आंतरिक यात्राओं के जरिये ही विशिष्ट ज्ञान व शक्तियों को ग्रहण करते रहे हैं। उनके यही गुण उन्हें सामान्य मनुष्य में विशिष्टता प्रदान करते हैं।

विडंबना यह है कि आज हमारा जीवन इतना कृत्रिम हो चला है कि हमने भौतिक सुख-सुविधाओं को ही जीवन का अंतिम हासिल मान लिया है। लेकिन वास्तव में यह मानवीय मूल्यों के क्षरण और आंतरिक शक्तियों के पराभाव का कारक है। हम अपने जीवन की उस गहन यात्रा से वंचित हो जाते हैं जो हमें भीतर की दुनिया की ओर ले जाती है। निस्संदेह, मनुष्य तभी पथभ्रष्ट और अमानवीय कृत्य करता है जब वह अंतर्मन की आवाज को अनसुना कर देता है। यही वजह है कि आज हमारा समाज संवेदनहीन होता जा रहा है। सही मायनों में संवेदनशीलता मनुष्य का अपरिहार्य गुण है। यह उच्च मानवीय अभिव्यक्ति है। ये भाव उसी व्यक्ति में मुखरित होते हैं जिसे अंतर्ज्ञान का बोध हो जाता है। यही भाव मनुष्य में परोपकार की भावना को जाग्रत करता है। दरअसल, कोई भी मनुष्य तब तक संपूर्ण नहीं हो सकता है जब तक कि वह खुद को न जान ले। दरअसल, जिस खुशी को हम भौतिक वस्तुओं व लिप्साओं में तलाशते हैं वह तो नश्वर संसार में हमारे क्षरण का जरिया है। दरअसल, असल खुशी तो आंतरिक होती है। जो हमारी मन:स्थिति पर निर्भर करती हैं।

सही मायनों में सांसारिक सुखों में ही हमारे दुख के कारक निहित होते हैं। लेकिन अंतर्मन के ज्ञान को हासिल करने वाला व्यक्ति हर हाल में सुखी रहता है। उसकी खुशी वास्तविक है और दीर्घकालीन होती है। सही मायनों में खुद को जानकर ही मनुष्य आध्यात्मिक की राह में आगे बढ़ सकता है। दरअसल,

आज मनुष्य जिन मनोकायिक रोगों से जूझ रहा है उसके मूल में जीवन की कृत्रिमताएं हैं। हमारा जीवन लगातार यांत्रिक होता जा रहा है। सही मायनों में हम आज मशीनी जीवन शैली के पुर्जे मात्र बनकर रह गए हैं। विडंबना यह है कि हमारे जीवन का यह यांत्रिक चक्र जीवन पर्यंत यूं ही चलता रहता है। जब तक हमें वास्तविकता का अहसास होता है, तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। दरअसल, हमारे पूर्वजों ने आश्रम व्यवस्था का सूत्रपात इसीलिए किया था कि एक निश्चित समय के बाद सांसारिक दायित्वों से मुक्त होकर वानप्रस्थ और संन्यास आश्रम के जरिये अंतर्मन की यात्रा की ओर उन्मुख हो सकें। लेकिन पश्चिमी जीवन शैली का अंधानुकरण करके हम आज जीवन में पंच-क्लेषों का ही अंगीकार कर रहे हैं। हमारे जीवन में आलस्य व प्रमाद का वर्चस्व बढ़ता जा रहा है। हम सात्विक जीवन शैली से विमुख होते जा रहे हैं। मनुष्य को पारिवारिक दायित्वों के निर्वहन के साथ ही खुद से पूछना चाहिए कि मेरे जीवन का वास्तविक उद्देश्य क्या है मेरा अंतर्मन से संवाद क्यों स्थापित नहीं हो पा रहा हैज् क्या कभी हमने अपनी आंतरिक शक्तियों को जानने का प्रयास किया क्या हम आत्मविश्लेषण कर पा रहे हैं कि हमारे जीवन के लक्ष्य क्या हैं। दरअसल, हम सजगता व व्यवस्थित जीवन शैली के जरिये ही गहन जीवन दृष्टि हासिल कर सकते हैं। जो हमारी अंतर्दृष्टि को जगाने में सहायक हो सकती है। कालांतर हमारी आंतरिक प्रेरणाएं ही हमारे वास्तविक जीवन का मार्ग प्रशस्त कर सकती हैं। दूसरे शब्दों में आत्मविश्लेषण के जरिये ही हम आत्मोन्नति की राह पर चल सकते हैं। दरअसल, एक आईना है आत्मविश्लेषण, जो हमें गहन आंतरिक यात्रा की ओर ले जाने में बाधक तत्वों से मुक्ति प्रदान करता है।

प्राचीन काल में ऋषि-मुनियों ने योग के जरिये हमारी आंतरिक यात्रा का मार्ग प्रशस्त किया है। इसमें अष्टांग योग मददगार होता है। यम-नियम से जहां हमारा जीवन सात्विक होता है, वहीं आसन से हमारी ध्यान में बैठने की प्रक्रि या सुगम होती है। ध्यान व धारणा इसमें सहायक होते हैं। कालांतर ऋषि मुनि व साधक मोक्ष की राह की ओर अग्रसर होते हैं। हम जब साक्षी भावों से अपने मनोभावों का विश्लेषण करते हैं तो हम आंतरिक दुनिया से जुड़ते हैं। फिर हमारे तमाम संशय क्षीण होते जाते हैं।

कौशल आधारित खेल में कोटा प्रणाली की तार्किकता

प्रदीप मैगजीन

जब 14 जून, 2025 के दिन इंग्लैंड के लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर टेम्बा बावुमा की टीम को टेस्ट क्रिकेट का विश्व चैंपियन का खिताब मिलते देखा, तो यादों में ढाई दशक पहले का एक अति मार्मिक और हिलाकर रख देने वाला पल कौंध गया, जब मैं जोहान्सबर्ग में क्रिकेट साउथ अफ्रीका के तत्कालीन मुख्य कार्यकारी अधिकारी गेराल्ड माजोला का साक्षात्कार कर रहा था। खेल रिपोर्टिंग पेशे के दौरान क्रिकेट की दुनिया में मेरी कई यात्राओं में दक्षिण अफ्रीका ऐसा देश रहा, जहां अतीत के घाव, इससे होते रिसाव की प्रकृति, उन्हें भरने के प्रयास और बदलाव का प्रतिरोध, सभी एक साथ अपना खेल करते दिखाई देते थे। ठीक वैसे ही, जैसा कि भारत में होता है। जिस क्षण दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट प्रशासन के उस मुख्य कार्यकारी ने रंगभेद और भेदभाव की वजह से अपनी अश्वेत जाति को लगने वाली चोट का वर्णन करना शुरू किया, मैंने देखा कि उनके गालों पर आंसू बह रहे थे। किसी वयस्क को इस तरह रोते हुए देखना दुर्लभ है और आंखें मेरी भी नम हो गईं।

बेशक दक्षिण अफ्रीका विविधता संपन्न देश है, लेकिन जिस तरह कुछ विशेषाधिकार प्राप्त लोगों के लाभ की एवज पर बहुसंख्यकों का शोषण और भेदभाव करने के लिए नस्लीय रंगभेद का इस्तेमाल किया जाता था, उससे यह माहौल भयावह भी लगता था। यह एक ऐसा देश रहा जहां अश्वेत अफ्रीकियों के साथ वाकई बहिष्कृतों जैसा व्यवहार किया जाता था, जब तक कि 1994 में श्वेत प्रशासन को सत्ता छोड़ने के लिए मजबूर नहीं किया गया,नेल्सन मंडेला इस परिवर्तन के एक उत्प्रेरक और प्रतीक बने। सत्ता हस्तांतरण ने कई बदलावों की शुरुआत की, जिनका उद्देश्य अश्वेत अफ्रीकियों को सशक्त बनाना था और उनमें से एक था घरेलू और राष्ट्रीय टीमों में अश्वेत प्रतिनिधित्व को अनिवार्य बनाना। इसे 'कोटा सिस्टम' कहा जाता है, इसके तहत, वर्तमान में, राष्ट्रीय टीम में कम-से-कम दो अश्वेत और चार अन्य रंगों के लोगों को शामिल करना जरूरी है, कुछेक मामूली बदलावों के साथ। जब 2002 में, उस साक्षात्कार में माजोला रो पड़े थे, कोटा सिस्टम खेल में श्वेत-निर्मित ढांचे को हिलाने लगा था और टीम संरचना में फेर-बदल होनी शुरू हो गई थी।

दक्षिण अफ्रीका के लिए खेलने वाले अब तक के सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाजों में से एक मखाया नितिनि टीम में चुने गए पहले अश्वेत क्रिकेटर थे। बाद में उन्होंने खुलासा किया कि टीम के श्वेत सदस्यों ने उन्हें कभी अपने में से एक नहीं माना, तिरस्कृत किया और अवांछित महसूस कराया। वे अपवाद नहीं थे, क्योंकि कई अन्य खिलाड़ियों को भी इसी तरह के व्यवहार का सामना करना पड़ा। उन्हें योग्यता के आधार पर नहीं बल्कि 'कोटा खिलाड़ी' के रूप में टीम में होने के कारण हल्के में लिया जाता था। लेकिन प्रशासक टस से मस नहीं हुए और आज लगता है कि उस बदलाव ने एक सकारात्मक परिणाम दिया है, जैसा कि बावुमा ने मैच उपरांत अपने भाषण में कहा 'एक विभाजित देश को एकजुट किया'।

रेनबो नेशन, जैसा कि दक्षिण अफ्रीका को कहा जाता है, ने दुनिया को दिखाया है कि खेलों के माध्यम से राष्ट्रीय एकता हासिल की जा सकती है और कोटा प्रणाली, जिसे भारत में हम 'आरक्षण' और 'योग्यता' कहते आए हैं, यह व्यवस्था दीर्घ काल में इनके बीच की रेखा को धुंधला कर सकती है। भारतीय दृष्टिकोण से, दक्षिण अफ्रीका के अश्वेत लोग गोरों के लिए वैसे ही थे जैसे यहां ऊंची जातियों के लिए दलित हैं। ऑस्ट्रेलिया पर दक्षिण अफ्रीका की जीत का जश्न मनाने वाले अधिकांश भारतीय क्रिकेट प्रशंसक शायद यह नहीं जानते कि यह अति कुख्यात 'आरक्षण' ही है, जिसने एक ऐसे देश की वास्तविक विविधता को प्रतिबिंबित करने में मदद की है, जिसका इतिहास विभाजनकारी संताप का रहा है। दक्षिण अफ्रीकी टीम में अश्वेत अफ्रीकियों का प्रतिनिधित्व है, यह महसूस करके दु:ख होता है कि भारतीय क्रिकेट इतिहास की शुरुआत से ही, टीम में शामिल किए गए किसी दलित और आदिवासी खिलाड़ी का नाम खोजने में खूब खंगालना पड़ता है। साल 1947 से पहले पलवंकर बालू और नब्बे के दशक में विनोद कांबली, ले-देकर, दलित जाति के दो ही जाने-माने नाम हैं, जो दिमाग में आ रहे हैं। हो सकता है, कुछ और भी हों। चूंकि उनकी जाति की पहचान स्थापित करना मुश्किल है, इसलिए हम यहां उनका नाम लेने से बच रहे हैं।

देश के सबसे लोकप्रिय खेल में, कुल आबादी के लगभग 25 प्रतिशत हिस्से का प्रतिनिधित्व बस इतना ही! दक्षिण अफ्रीकी कोटा प्रणाली को भूल जाइए, क्या उनकी तरह हमने भी खेल तक पहुंच बनाने और सुविधाओं की कमी को दूर करने के लिए, जमीनी स्तर पर प्रशिक्षण व छात्रवृत्ति कार्यक्रम शुरू किए हैं? खेल में जाति पर चर्चा करने और व्यवस्था में खामियों का निदान करने को लेकर हमारी उदासीनता, भेदभावपूर्ण प्रणाली बनाने में हमें भी एक भागीदार बनाती है, वह जो हमारी आबादी के एक-चौथाई हिस्से को हमारे राष्ट्रीय खेल में उचित प्रतिनिधित्व से वंचित करती है, वह क्रिकेट,जिसे हम अपना धर्म भी कहते हैं। एक ऐसा खेल जो 140 करोड़ लोगों को जोड़ता हो, उसमें भारत की ओर से खेलने के लिए एक भी 'योग्यता वाला' दलित खिलाड़ी नहीं है। टीम संरचना में इस असंतुलन का कारण खोजने के लिए क्या यह अरबों रुपये से लदे-फदे क्रिकेट बोर्ड की जिम्मेदारी और नैतिक दायित्व नहीं? कितनी लज्जा की बात है! जहां भारत अभी भी जातिगत पूर्वाग्रहों और भेदभावपूर्ण प्रथाओं से ग्रस्त समाज में नौकरियों में आरक्षण के महत्व पर बहस में उलझा है वहीं यह आश्चर्य की बात है कि एक ऐसा देश भी है, जिसने विश्व में अब तक ज्ञात सबसे कौशल-आधारित खेल में कोटा प्रणाली के सकारात्मक परिणाम दिखा दिए हैं।

गुफाएं

देखने के शौकीन हैं तो यहां की करें सैर

भारत में कई प्राचीन गुफाएं हैं जो पर्यटन और ऐतिहासिक महत्व से जरूरी है। जो लोग धार्मिक और प्राकृतिक सौंदर्य का अनुभव प्राप्त करने का शौक रखते हैं, उनके लिए देश में गुफाओं के लिए विस्तृत विकल्प हैं। आप भारत में ऐसी अनेक अद्भुत गुफाओं को घूमने जा सकते हैं जो आपकी यात्रा को रोमांचक बना सकती हैं। यहां अजंता-एलोरा की गुफाओं से लेकर अमरनाथ की गुफा और उदयगिरि और खंडगिरि गुफाएं समेत तमाम स्थल हैं। भारत की कुछ प्रसिद्ध और दर्शनीय गुफाएं हैं जहां आप ऐतिहासिक दृश्यों का लुत्फ रोमांचक तरीके से उठा सकते हैं।

अमरनाथ गुफा

उत्तरी भारत में स्थित अमरनाथ की गुफा विश्व प्रसिद्ध है। यह गुफा धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थल है, जहां प्राकृतिक रूप से बर्फ से बने शिवलिंग के दर्शन होते हैं। हर साल हजारों श्रद्धालु अमरनाथ यात्रा पर जाते हैं।

अजंता-एलोरा की गुफाएं

अजंता की गुफाएं महाराष्ट्र में स्थित हैं। यह बौद्ध धर्म से जुड़ी हुई हैं, जिसमें 30 गुफाएं हैं। यूनेस्को ने अजंता केव्स को विश्व धरोहर स्थल घोषित किया हुआ है। यहां दीवारों पर अद्भुत भित्ति चित्र और मूर्तिकला देखने को मिलती है जो भगवान बुद्ध के जीवन प्रसंगों को दर्शाती हैं। महाराष्ट्र राज्य में ही एलोरा गुफाएं भी हैं जो हिंदू, बौद्ध और जैन धर्म की मिलीजुली कला का अद्भुत उदाहरण है। यह गुफाएं अपनी जटिल संचरना और अद्भुत वास्तुकला के लिए प्रसिद्ध हैं। एलोरा गुफाओं में कुल 34 गुफाएं हैं जहां भव्य मूर्तिकला और स्थापत्य कला देखने को मिलती है। यहां स्थित कैलाश मंदिर सबसे प्रसिद्ध है, जिसे एक ही पत्थर को काटकर बनाया गया है।

उदयगिरि और खंडगिरि की गुफाएं

उड़ीसा के भुवनेश्वर शहर के पास उदयगिरी और खंडगिरी गुफाएं स्थित हैं। इसे पहले कटक गुफाओं के नाम में जाना जाता था। यह आंशिक रूप से प्राकृतिक और आंशिक रूप से कृत्रिम गुफाएं हैं। यहां 15 अद्भुत और रहस्यमयी गुफाएं हैं जो कि जैन धर्म से संबंधित बताई जाती हैं। कहा जाता है कि राजा खावेल के शासन काल में इन गुफाओं का इस्तेमाल होता था। इनमें प्राचीन शिलालेख, जैन साधकों की मूर्तियां और अद्भुत वास्तुकला है। भुवनेश्वर की इन मशहूर गुफाओं में सबसे जरूरी गुफा का नाम अनंत गुफा है। इस गुफा में महिलाएं, एथलीट और हाथियों को दर्शाया गया है।

हंसना मना है

डॉक्टर : जब आपको पता था, छिपकली आपके नाक में जा रही है, तो आपने रोका क्यों नहीं? मरीज : पहले कॉकरोच गया था, मैंने सोचा उसे पकड़ने जा रही होगी।

पप्पू : बताओ वो कौन सी औरत है जिसको सौ प्रतिशत पता होता है की उसका हसबैंड कहां हैं? पप्पू ने अपना खतरनाक दिमाग लगाया और बोला, विधवा औरत।

पापा : नालायक, तुमने अपनी मम्मी से ऊंची आवाज में बात क्यों की? बेटा : मुझे पता है पापा आपको जलन हो रही है क्योंकि आप ऐसा नहीं कर सकते।

आदमी : सर, मेरी वाइफ गूम गई है, पोस्टमन : यह पोस्ट ऑफिस है, पुलिस स्टेशन नहीं, आदमी : ओह सॉरी! साला खुशी के मारे कहा जाऊं, कुछ समझ में नहीं आ रहा!

पति- सुनो, तुमने मुझमें ऐसा क्या देखा था जो मुझसे शादी के लिए हां कर दी। पत्नी- मैंने बालकनी से आपको एक-दो बार बर्तन साफ करते हुए देखा था।

वाईफ : सुबह मेरे चेहरे पे पानी क्यों डाला? हसबैंड : तेरे बाप ने कहा था, मेरी बेटी फुल की तरह है इसे मुरझाने मत देना।

कहानी | अहंकार का त्याग ही तपस्या का मूलमंत्र है

एक साधु व एक डाकू एक ही दिन मरकर यमलोक पहुंचे धर्मराज उनके कर्मों का लेखा-जोखा खोलकर बैठे थे और उसके हिसाब से उनकी गति का हिसाब करने लगे। निर्णय करने से पहले धर्मराज ने दोनों से कहा- मैं अपना निर्णय तो सुनाउंगा लेकिन यदि तुम दोनों अपने बारे में कुछ कहना चाहते हो तो मैं अवसर देता हूं, कह सकते हो। डाकू ने हमेशा हिंसक कर्म ही किए थे उसे इसका पछतावा भी हो रहा था अत:अत्यंत विनम्र शब्दों में बोला महाराज- मैंने जीवन भर पापकर्म किए जिसने केवल पाप ही किया हो वह क्या आशा रखे आप जो दंड दें, मुझे स्वीकार है। डाकू के चुप होते ही साधु बोला महाराज- मैंने आजीवन तपस्या और भक्ति की है मैं कभी असत्य के मार्ग पर नहीं चला सदैव सत्कर्म ही किए इसलिए आप कृपा कर मेरे लिए स्वर्ग के सुख-साधनों का शीघ्र प्रबंध करें। धर्मराज ने दोनों की बात सुनी फिर डाकू से कहा- तुम्हें दंड दिया जाता है कि तुम आज से इस साधु की सेवा करो डाकू ने सिर झुकाकर आज्ञा स्वीकार कर ली। यमराज की यह आज्ञा सुनकर साधु ने आपत्ति जताते हुए कहा- महाराज! इस पापी के स्पर्श से मैं अपवित्र हो जाऊंगा मेरी तपस्या तथा भक्ति का पुण्य निरर्थक हो जाएगा मेरे पुण्य कर्मों का उचित सम्मान नहीं हो रहा है। धर्मराज को साधु की बात पर बड़ा क्षोभ हुआ वह क्षुब्ध होकर बोले- निरपराध व्यक्तियों को लूटने और हत्या करने वाला डाकू मर कर इतना विनम्र हो गया कि तुम्हारी सेवा करने को तैयार है। तुम वर्षों के तप के बाद भी अहंकार ग्रस्त ही रहे यह नहीं जान सके कि सब में एक ही आत्मतत्व समाया हुआ है तुम्हारी तपस्या अधूरी और निष्फल रही अत: आज से तुम इस डाकू की सेवा करो, और तप को पूर्ण करो। उसी तपस्या में फल है, जो अहंकार रहित होकर की जाए अहंकार का त्याग ही तपस्या का मूलमंत्र है और यही भविष्य में ईश्वर प्राप्ति का आधार बनता है झूठे दिखावे तप नहीं हैं, ऐसे लोगों की गति वही होगी जो साधु की हुई।

7 अंतर खोजें

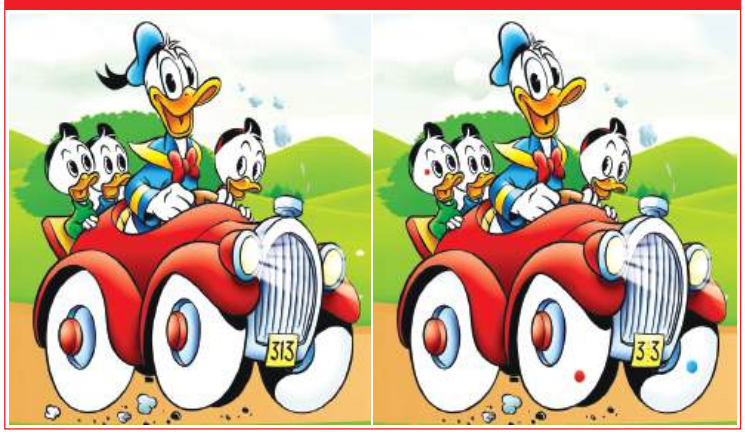

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद् हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। कुबुद्धि हावी रहेगी। चिंता तथा तनाव रहेंगे। मित्रों से संबंध सुधरेंगे।

वृषभ

वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। पुराना रोग परेशानी का कारण रह सकता है। दूसरों के कार्य में दखल न दें। बड़ों की सलाह मानें। लाभ होगा। धैर्य रखें।

मिथुन

प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। बेवजह कहासुनी हो सकती है। कानूनी अड़चन दूर होगी। निवेश शुभ रहेगा।

कर्क

किसी अपने के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। शारीरिक कष्ट संभव है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शत्रु पस्त होंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें।

सिंह

घर के सदस्यों के स्वास्थ्य व अध्ययन संबंधी चिंता रहेगी। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का मौका मिलेगा।

कन्या

शत्रु हानि पहुंचा सकते हैं। दु:खद समाचार मिल सकता है। व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। लाभ के अवसर हाथ से निकलेंगे। बेवजह कहासुनी हो सकती है।

तुला

शत्रु पस्त होंगे। सुख के साधन जुटेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पराक्रम बढ़ेगा। लंब समय से रुके कार्य सहज रूप से पूर्ण होंगे। कार्य की प्रशंसा होगी।

वृश्चिक

घर में अतिथियों का आगमन होगा। व्यय होगा। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। आय बनी रहेगी।

धनु

आंखों का ख्याल रखें। अज्ञात भय सताएगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। कानूनी अड़चन आ सकती है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है।

मकर

स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। किसी अपरिचित पर अतिविश्वास न करें। विवाद से क्लेश होगा। दूसरों के उकसाने में न आएं। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे।

कुम्भ

शारीरिक कष्ट संभव है तथा तनाव रहेंगे। सुख के साधन प्राप्त होंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। प्रसन्नता रहेगी।

मीन

चोट व रोग से परेशानी संभव है। आराम तथा मनोरंजन के साधन उपलब्ध होंगे। यश बढ़ेगा। व्यापार वृद्धि होगी। नई योजना बनेगी जिसका तत्काल लाभ नहीं मिलेगा।

बॉलीवुड | मन की बात

दिलजीत पर भड़के अभिजीत बोले- हिंदुस्तान हमारे बाप का है

पंजाबी सुपरस्टार और सिंगर दिलजीत दोसांझ एक बार फिर सुर्खियों में हैं, हालांकि अब वो अपनी फिल्म 'सरदार जी 3' को लेकर नहीं, बल्कि एक लाइव कॉन्सर्ट के दौरान दिए गए बयान की वजह से विवादों में घिर गए हैं। दरअसल, दिलजीत ने अपने 'दिल-ल्यूमिनाटी टूर' के दौरान एक कविता के अंदाज में मंच से कहा था, किसी के बाप का हिंदुस्तान थोड़ी है, जिसे सोशल मीडिया पर तीव्र प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं। इस बयान को कुछ यूजर्स ने देशविरोधी बताया, तो वहीं कई फैन्स ने इसे एकता और समानता का संदेश माना। इसी बहस के बीच सिंगर अभिजीत भट्टाचार्य ने दिलजीत पर तीखा पलटवार किया। उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक वीडियो पोस्ट किया जिसमें दिलजीत के बयान का हिस्सा दिखाने के बाद कहा, हिंदुस्तान हमारे बाप का है, हमारे पूर्वजों का है और हमे इसपर गर्व है। इसके साथ अभिजीत ने तिरंगा लहराते हुए 'सारे जहां से अच्छा' गाना बैकग्राउंड में चलाया, जो देशभक्ति के रंग में डूबा संदेश देता है। इस मुद्दे ने सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी है। जहां एक तरफ दिलजीत को ट्रोल किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर बॉलीवुड के जाने-माने निर्देशक इम्तियाज अली उनके समर्थन में आगे आए हैं। इम्तियाज ने कहा, दिलजीत के अंदर बहुत गहरा देश प्रेम है। उन्होंने कभी झूठ या दिखावा नहीं किया। जो लोग उन्हें सही से समझते हैं, वो जान पाएंगे कि उनके कहे शब्दों का असली अर्थ क्या था। इम्तियाज ने ये भी बताया कि दिलजीत हर कॉन्सर्ट के अंत में मैं हूं पंजाब कहकर भारतीय तिरंगे के साथ अपनी प्रस्तुति समाप्त करते हैं। उन्होंने कहा कि किसी एक कलाकार के साथ काम करने का निर्णय पूरी तरह उसका नहीं होता। उन्होंने कहा, एक्टर सिर्फ कलाकार होता है, फिल्म के बाकी फैसले निर्माता और निर्देशक लेते हैं। गौरतलब है कि दिलजीत दोसांझ की फिल्म 'सरदार जी 3' में पाकिस्तानी अभिनेत्री हानिया आमिर के साथ उनकी जोड़ी देखने को मिलेगी। इसी कारण सोशल मीडिया पर कई यूज़र्स ने उन्हें निशाना बनाया और सवाल उठाया कि क्या भारत-पाक रिश्तों के मौजूदा हालात में इस तरह की कास्टिंग सही है?

'एनिमल' देखने के लिए किसी को मजबूर नहीं किया : रश्मिका

बोलीं- यह सिर्फ एक फिल्म है, हमने सिर्फ एक्टिंग की है

रश्मिका मंदाना इन दिनों अपनी हालिया रिलीज 'कुबेर' को लेकर चर्चाओं में हैं। इसके अलावा हाल ही में रश्मिका ने अपनी आगामी फिल्म का भी पोस्टर जारी किया था। जिसमें वो अब तक के अपने सबसे अलग तरह के किरदार में नजर आएंगी। इस बीच रश्मिका ने दो साल पहले आई सुपरहिट फिल्म 'एनिमल' को लेकर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने उन प्रतिक्रियाओं पर भी रिएक्ट किया जिनमें 'एनिमल' की आलोचना की गई थी। रश्मिका मंदाना ने 'एनिमल' की आलोचनाओं पर जवाब देते हुए अपनी फिल्म का बचाव किया। साथ ही उन्होंने कहा, 'अगर आप उन लोगों में से हैं जो फिल्म से प्रभावित होने वाले हैं, तो अपनी तरह की फिल्में देखें। कोई भी किसी को हर फिल्म देखने के लिए मजबूर नहीं कर रहा है। अगर ऐसा होता तो हर फिल्म को ब्लॉक कर दिया जाता। मुझे लगता है कि यह एक तरह की कैंसल कल्चर है। हम में से हर एक में ग्रे किरदार हैं, हम कभी भी काले और सफेद नहीं होते, हमारे अंदर ग्रे होता है।''एनिमल' को लेकर आगे बात करते हुए एक्ट्रेस ने कहा, 'हमने यह फिल्म बनाई, इसने काम किया। लोगों को यह पसंद है। अगर किन्हीं लोगों को यह नापसंद है तो यह उनकी अपनी निजी बात है। हमने सिर्फ एक सिनेमा बनाया है और लोगों को सिर्फ फिल्म के लिए फिल्म देखनी चाहिए और इन किरदारों को निभाने वाले अभिनेता को जज नहीं करना चाहिए। इसे और किसी अर्थ में न लें, यह सिर्फ एक्टिंग है। हम स्क्रीन पर दिखावा कर रहे हैं। असल में हम अलग हैं, हमारा नेचर अलग है। एक एक्टर के तौर पर हम अलग हैं।'रश्मिका मंदाना इस बार न्यूयॉर्क में होने वाली इंडिया डे परेड में विजय देवरकोंडा के साथ नेतृत्व करेंगी। रश्मिका अपने रूमर्ड बॉयफ्रेंड विजय देवरकोंडा के साथ इंडिया डे परेड में ग्रैंड मार्शल के रूप में नजर आएंगी।

हेरा फेरी 3 में बाबू भैया बनकर लौटे परेश

फिल्म हेरा फेरी की तीसरी कड़ी का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे है। मगर, अचानक जब खबर आई कि परेश रावल ने फिल्म छोड़ दी है तो दर्शक मायूस हो गए। फिल्म हेरा फेरी 3 की रौनक आखिर राजू (अक्षय कुमार), श्याम (सुनील शेट्टी) और बाबू राव (परेश रावल) से है। एक भी एक्टर की अनुपस्थिति दर्शक नहीं चाहते। ऐसे में जब खबर आई कि परेश रावल ने फिल्म छोड़ दी है तो दर्शक निराश हो गए। मगर, अब खुशखबरी ये है कि परेश रावल फिल्म में वापसी कर रहे हैं और यह पुष्टि खुद उन्होंने की है। परेश रावल का कहना है कि वे हेरा फेरी 3 में वापसी कर रहे हैं। उन्होंने हिमांशु मेहता के पॉडकास्ट में यह खुलासा किया है। एक्टर ने बीते दिनों फिल्म को लेकर चली कंट्रोवर्सी पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अब सब रिजॉल्व हो गया है। शो में परेश रावल से जब फिल्म को लेकर विवाद के बारे में सवाल किया गया तो उन्होंने कहा, कोई विवाद नहीं है। जब कोई चीज इतने लोगों को भाती आती है, तब हमें अतिरिक्त रहना पड़ता है। यह हमारी जिम्मेदारी बनती है कि दर्शकों के लिए। दर्शक बैठे हैं और वे आपको इतना प्यार करते हैं। आप चीजों को हल्के में नहीं ले सकते। मेहनत करके उन्हें देना चाहिए। परेश रावल ने आगे कहा, मेरा यही मानना है कि सब साथ में आएं। मेहनत करें। मुझे और कुछ नहीं। कुछ हुआ नहीं है, अब सबकुछ ठीक हो गया है। प्रियदर्शन, अक्षय या सुनील, सभी ग्रेट हैं। हम सभी कई वर्षों से दोस्त हैं। परेश रावल के फिल्म से किनारा कर लेने की खबर से निराश हुए दर्शक यह जानकर खुश हो जाएंगे कि बाबू राव के रूप में परेश रावल फिल्म में नजर आएंगे। फिल्म हेरा फेरी साल 2000 में रिलीज हुई। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हिट साबित हुई। वहीं, फिर हेरा फेरी ने साल 2006 में दस्तक दी और इसे भी दर्शकों का भरपूर प्यार मिला। पहली फिल्म का निर्देशन प्रियदर्शन ने किया था और अब तीसरी कड़ी का निर्देशन भी वहीं कर रहे हैं।

विवाद पर कहा- अब सब ठीक हो गया

नहीं देखा होगा ऐसा जश्न, हर साल 20 फुट लंबी पेंसिल को नुकीली बनाने की रस्म

दुनिया में कई जगह अनोखी रस्में होती हैं। कुछ अंधविश्वास की वजह से होते हैं। अधिकांश अजीबो गरीब रस्में धर्म के लिए होती हैं। वे धर्म की पहचान का एक गहरे प्रती का रूप भी ले लेती हैं। पर कुछ रस्में केवल किसी संयोग की वजह से पनप जाती हैं और वह रस्म अदा करना एक समुदाय के लिए उत्सव मनाने या एक दूसरे के साथ आकर मिलने जुलने का जरिया बन जाता है। अमेरिका में हाल ही में एक ऐसी ही रस्म की चर्चा है। मिनियापोलिस के एक खूबसूरत मोहल्ले में लोग हर साल एक अनोखी रस्म के लिए इकट्ठा होते हैं। वे एक 20 फुट ऊंची पेंसिल को शार्प करते हैं। हाल ही में यह रस्म उत्सव के साथ अदा की गई। यह पेंसिल किसी समुदाय के संपत्ति में नहीं बल्कि एक दम्पति, जॉन और एमी हिगिंस के घर पर खड़ी है। इसे एक विशाल ओक पेड़ से बनाया गया था। कुछ साल पहले एक तूफान ने इस पेड़ का ऊपरी हिस्सा तोड़ दिया था। पड़ोसी दुखी हुए। कुछ लोग तो रो तक पड़े। लेकिन हिगिंस दंपति ने इसे नुकसान नहीं माना। उन्होंने पेड़ को नया जीवन देने का फैसला किया। इस पेंसिल को शार्प करने की रस्म अब एक बड़ा समुदायिक उत्सव बन चुकी है। यह रस्म लेक ऑफ द आइल्स के हरे-भरे इलाके में होती है। सैकड़ों लोग इसमें शामिल होते हैं। संगीत और रंगारंग कार्यक्रम होते हैं। कुछ लोग पेंसिल या इरेजर की तरह कपड़े पहनकर आते हैं। इस साल दो स्विस अल्फहॉर्न वादकों ने मनोरंजन किया। मेजबानों ने मिनियापोलिस के मशहूर संगीतकार प्रिंस की याद में बैंगनी पेंसिल बांटी। यह प्रिंस का 67वां जन्मदिन होता। पेंसिल को शार्प करने के लिए एक खास बड़ा शार्पनर इस्तेमाल होता है। इसके लिए मचान बनाई जाती है। यह पेंसिल हर साल थोड़ी छोटी होती जाती है। हर बार 3 से 10 इंच तक काटा जाता है। इस साल कितना काटना है, यह अभी तय नहीं हुआ। हिगिंस दंपति को इस बात से फर्क नहीं पड़ता कि एक दिन यह पेंसिल छोटी हो जाएगी। कर्टिस ने कहा, हर रस्म में कुछ कुर्बानी देनी पड़ती है। हम पेंसिल का हिस्सा कुर्बान करते हैं। यह हमारा दर्शकों के लिए उपहार है।

अजब-गजब | 9 हजार फीट से जमीन पर गिरा शख्स

फिर यमराज को चकमा देकर बचा जिंदा

दुनियाभर में आए दिन हवाई जहाज, हेलिकॉप्टर आदि से जुड़े कई ऐसे हादसे होते हैं, जिनके बारे में जानकर हैरानी होती है। ऐसे हादसों में ज्यादातर लोगों की मौत हो जाती है। लेकिन कुछ लोग यमराज को भी चकमा दे देते हैं, मानो वो यमराज से बाद में मिलने का समय मांगकर आ जाते हैं। ऐसा ही एक भयानक हादसा 57 साल के रिटायर्ड-टेररिज्म पुलिस अधिकारी स्टीव बार्नेट के साथ हुआ, जब वो 9 हजार फीट की ऊंचाई से सीधे जमीन पर गिरने लगे। उन्होंने अपने इस दिल दहला देने वाले अनुभव को शेयर किया, जिसके बारे में जानकर आपके भी रोंगटे खड़े हो जाएंगे। लेकिन एक चमत्कार ने उन्हें जिंदा बचा लिया। स्टीव बार्नेट ने बताया कि एक दिन जब वो 9 हजार फीट की ऊंचाई से पैराग्लाइडिंग कर रहे थे, तभी उनका पैराग्लाइडर फ्रेंच आल्प्स में एक तूफानी बादल में फंस गया। बारिश की वजह से उनका ग्लाइडर भीग गया, जिसके बाद वह नीचे गिरने लगे। लेकिन इसी बीच 30 फीट ऊंचे पेड़ आ गए, जिसपर फंसते हुए नीचे गिरने के कारण वो जिंदा बच गए। ये किसी चमत्कार से कम नहीं था। इस दुर्घटना में उनकी पेल्विस की हड्डी टूट गई, लेकिन उनकी जान बच गई। स्टीव ने बताया कि वह फ्रांस के दक्षिण-पूर्वी क्षेत्र पासी में पैराग्लाइडिंग कर रहे थे, जब अचानक मौसम खराब हो गया। स्टीव ने उस भयावह पल को याद करते हुए कहा, मैंने देखा कि एक बड़ा बादल मेरी ओर बढ़ रहा था। अचानक मेरे ग्लाइडर की सतह पर बारिश की बूंदों की आवाज आने लगी। फिर बारिश तेज हो गई। इसके बाद मुझे तेज झटके, फटने और लहराने जैसी आवाजें सुनाई दीं। मेरा ग्लाइडर पानी के वजन से बर्बाद हो गया। स्टीव ने आगे बताया कि जैसे ही ग्लाइडर ने काम करना बंद किया, उन्होंने आपातकालीन लैंडिंग की कोशिश की, लेकिन स्थिति उनके नियंत्रण से बाहर हो गई। वह पेड़ों के बीच से होते हुए 40 मील प्रति घंटे की रफ्तार से जमीन पर जा गिरे। स्टीव ने बताया, जमीन पर गिरने के बाद मैं उछला और लुढ़क गया। ऐसा लगा जैसे किसी ने मुझे बहुत जोर से लात मारी हो। दर्द और सदमे के बावजूद, स्टीव ने हिम्मत नहीं हारी। उन्होंने तुरंत अपने साथी पैराग्लाइडर 47 साल के मैट रोच को मदद के लिए कॉल किया। उस समय मैट भी हवा में उड़ान भर रहे थे। मैट ने स्टीव के लोकेशन को ट्रैक किया और तुरंत एक रेस्क्यू हेलिकॉप्टर को सूचना दी। रेस्क्यू हेलिकॉप्टर ने स्टीव को पासी के जंगल से तुरंत निकाला और उन्हें इटली की सीमा के पास एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। स्टीव की हालत गंभीर थी, लेकिन चिकित्सकों ने उनका इलाज किया और महज दो दिन बाद उन्हें अपने घर इंग्लैंड में ईस्ट ससेक्स के सीफोर्ड लौटने की अनुमति दे दी।

प्रयागराज हिंसा की सीबीआई जांच हो : चंद्रशेखर आजाद

» बवाल के सवाल पर भड़के आजाद समाज पार्टी के सांसद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश की नगीना सीट से सांसद चंद्रशेखर आजाद ने प्रयागराज में हुई हिंसा में आजाद समाज पार्टी और भीम आर्मी की कोई भी भूमिका होने से इनकार किया है। उन्होंने कहा कि वहां की पुलिस और स्थानीय नागरिकों ने उन्हें बदनाम करने के लिए हिंसा फैलाई है इस मामले की सीबीआई जांच होनी चाहिए. वहीं जब पत्रकारों ने इस मुद्दे पर उनसे सवाल किया तो वो बुरी तरह बौखला गए और मुकदमा करने की धमकी तक दे डाली। प्रयागराज में हुई हिंसा के बाद चंद्रशेखर आजाद मुजफ्फरनगर पहुंचे थे जहां उन्होंने महाभारत कालीन शुक्रताल में स्थित बाबा समान दास की गद्दी के विवाद को सुलझाने के लिए संतो से बात की।

इस दौरान उन्होंने अपने समर्थकों से बात करते हुए कहा कि वो कौशांबी में पीड़ित परिवार से मिलने के लिए जा रहे थे लेकिन पुलिस ने उन्हें सर्किट हाउस में डिटेन कर लिया। जिसकी वजह से वो पीड़ित परिवार से नहीं मिल पाए। उन्होंने कहा कि मैं इस पूरे मामले की सीबीआई जांच की मांग करता हूं। जो दोषी हो उस पर कार्रवाई होनी चाहिए. जो गाड़ियां जली हैं वो हमारी हैं, हमारे लोगों पर पुलिस ने लाठी चार्ज किया और पथराव किया है. ये स्थानीय लोगों और पुलिस की मिली भगत से हुआ है। सीबीआई जांच के बाद दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। भीम आर्मी का जो वर्चस्व बढ़ रहा है इसलिए उनके लोगों को चिन्हित कर झूठे मुकदमे लगाए जा रहे हैं लेकिन, हम डरने वाले नहीं है। अगर हमारे कार्यकर्ताओं को परेशान किया गया तो इस बार आंदोलन लखनऊ में होगा हम सीएम आवास का घेराव करेंगे। यूपी विधानसभा के सामने भी विरोध प्रदर्शन करेंगे।

स्थानीय लोगों और पुलिस ने मिलकर की हिंसा

नगीना सांसद ने सवाल किया कि ऐसा वहां क्या था जो उन्हें पीड़ितों से मिलने से रोका गया। वहां पर क्या छुपाया जा रहा है. इसका जवाब यूपी पुलिस अधिकारियों को देना चाहिए. हम अंबेडकर साहब को मानने वाले लोग हैं। हम कभी हिंसा का न सहारा लेते हैं ना कभी हिंसा में शामिल होते। कमजोर वर्गों के लोगों पर हिंसा का आरोप लगाना सबसे आसान काम है. मैंने बहुत सारी वीडियो देखी है जिसमें पुलिस के साथ मिलकर वहीं के स्थानीय लोग पथराव कर रहे हैं। बहुत सारी गाड़ियां जलने की तस्वीरें भी आई हैं।

पत्रकार को दी मुकदमा लगाने की धमकी

इस दौरान जब एक पत्रकार ने उनसे सवाल किया तो आसपा सांसद ने कहा कि सोच समझ कर बोलो हवा में बात नहीं करनी चाहिए। टीआरपी के लिए लोग पता नहीं क्या-क्या बोलते हैं. मुख्यमंत्री ने अगर मेरा नाम लिया तो बताओ वरना मैं तुम्हारे खिलाफ एफआईआर कर दूंगा कि मेरे खाते से लिया जाएगा बताओ मेरा नाम लिया क्या मैं फिर आपसे कह रहा हूं मेरे ऊपर इससे बड़ा आरोप लगा था जब हाथरस की घटना हुई थी।

आप नेता गोपाल राय के बयान पर घमासान

पीएम आवास पर कब्जा करने की कही थी बात

» भाजपा ने किया पलटवार बताया- राष्ट्रद्रोही सोच

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी नेता गोपाल राय ने यह कहकर नया विवाद खड़ा कर दिया है कि यदि दिल्ली की झुग्गियां तोड़ी जाती हैं तो लोग प्रधानमंत्री आवास पर कब्जा कर लेंगे। वे जंतर-मंतर पर दिल्ली में झुग्गियों को तोड़ने के मामले में आयोजित एक प्रदर्शन को संबोधित कर रहे थे। भाजपा ने इसे अराजक और राष्ट्रद्रोही सोच का प्रमाण बताया है और कहा है कि इस तरह की आक्रामक और उग्र बयानबाजी से किसी भी नेता को बाज आना चाहिए। गोपाल राय ने आरोप लगाया कि भाजपा ने चुनावों में झुग्गी वालों को आवास देने की बात कही थी, लेकिन आज उनके आवास तोड़े जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि इससे भाजपा की असलियत सामने आ गई है और यह साफ हो गया है कि वह गरीब जनता के साथ नहीं, बल्कि कुछ अमीर लोगों के साथ खड़ी है। राय ने दिल्ली सरकार पर गरीबों का अधिकार छीनने का आरोप लगाया। दिल्ली भाजपा के प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने कहा कि एक लोकतंत्र में किसी राजनीतिक दल के द्वारा इस तरह की अपील किया जाना लोकतंत्र के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि गोपाल ने भीड़ को जिस तरह प्रधानमंत्री आवास में घुसने और उस पर हमला करने की बात कही है, यह आपत्तिजनक है और आपा नेताओं की राष्ट्रद्रोही सोच को दिखाता है।

आप की बुलाई बैठक में नहीं पहुंचे झुग्गी-झोपड़ियों के लोग : प्रवीण शंकर

प्रवीण शंकर कपूर ने कहा कि आम आदमी पार्टी ने दस बजे जनसभा बुलाई थी जिसमें दिल्ली की झुग्गी-झोपड़ियों से कोई आदमी नहीं पहुंचा। आम आदमी पार्टी के कुछ कार्यकर्ता दो बजे के करीब पहुंचे जिसके बाद केजरीवाल और गोपाल राय ने अपनी झुंझलाहट निकालते हुए आपत्तिजनक बयानबाजी कर डाली। भाजपा नेता ने दावा किया कि केजरीवाल की इन हरकतों के बाद भी जनता उनका साथ नहीं देगी। उन्होंने कहा कि भाजपा दिल्ली की जनता से किया गया अपना हर वादा निभाएगी।

टी20 सीरीज : विजय अभियान जारी रखने उतरेगा भारत

» इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टी20 में हरमनप्रीत कौर की टीम में हुई वापसी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

ब्रिस्टल। भारतीय महिला टीम का इंग्लैंड से पांच मैचों की टी20 सीरीज में सामना हो रहा है। हरमनप्रीत कौर की गैरमौजूदगी में भारत ने इंग्लैंड को पहले टी20 मैच में 97 रनों से हराया था। अब टीम की नजर दूसरे मुकाबले में जीत दर्ज कर सीरीज में 2-0 की बढ़त हासिल करने पर होगी। ब्रिस्टल में मंगलवार को दूसरा मुकाबला भारतीय समयानुसार रात 11 बजे से खेला जाएगा, जिसमें हरमनप्रीत की वापसी की उम्मीद है। पहले मुकाबले में उनकी जगह स्मृति मंधाना ने टीम की कमान संभाली थी।

नॉटिंघम में खेले गए पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में मंधाना के इस प्रारूप में पहले शतक की बदौलत भारत ने 97 रन से बड़ी जीत दर्ज की थी। दूसरे मैच में हरमनप्रीत की वापसी से जहां भारतीय टीम को मजबूती मिलेगी वहीं इंग्लैंड की टीम की चिंताएं बढ़ेंगी। हरमनप्रीत को अभ्यास मैच के दौरान सिर में चोट लगने के बाद एहतियात के तौर पर पहले मैच में आराम दिया गया था। मंधाना के स्ट्रोक्स से भरे शतक ने इंग्लैंड के खेमे में खतरे की घंटी बजा दी होगी, क्योंकि 211 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए उनकी टीम बुरी तरह बिखर गई और 113 रन पर ढेर हो गई। पिछले साल टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने वाली बाएं हाथ की बल्लेबाज मंधाना ने जहां से छोड़ा था, वहीं से शुरुआत की और इंग्लैंड के सभी गेंदबाजों की धज्जियां उड़ाईं। भारतीय खिलाड़ियों को बंगलुरू में लंबे शिविर के बाद इंग्लैंड में जल्दी पहुंचने और कुछ अभ्यास मैचों में खेलने से लय हासिल करने में मदद मिली और पहले मैच में उसने खेल के हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन किया।

दूसरे टेस्ट मैच में भी नहीं खेलेंगे जोफ्रा आर्चर

बर्मिंघम। भारत के खिलाफ दो जुलाई से शुरू होने जा रहे टेस्ट मैच के लिए इंग्लैंड ने प्लेइंग 11 घोषित कर दी। इसमें कोई बदलाव नहीं किया गया है जबकि प्रशंसकों को जोफ्रा आर्चर की वापसी के लिए इंतजार करना होगा। इस मैच के लिए इंग्लैंड ने बिना किसी बदलाव के प्लेइंग 11 की घोषणा कर दी है। इसमें जोफ्रा आर्चर को शामिल नहीं किया गया है। आर्चर पारिवारिक समस्या के कारण अभ्यास सत्र का हिस्सा नहीं बन पाए थे। पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में इंग्लैंड की टीम आगे चल रही है। लीड्स टेस्ट में मेजबानों ने भारत को पांच विकेट से हराया था।

हरियाणा की कानून व्यवस्था ध्वस्त : दुष्यंत

» सैनी सरकार पर उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

फरीदाबाद। सेक्टर- 16 स्थित निजी अस्पताल में पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला पहुंचे। उन्होंने अस्पताल में भर्ती जजपा जिलाध्यक्ष प्रदीप चौधरी का हाल जाना। इसके बाद उन्होंने हरियाणा में बिगड़ रही कानून व्यवस्था को लेकर सरकार पर भी हमला बोला।जजपा जिलाध्यक्ष प्रदीप चौधरी व उनके एक साथी के साथ सड़क पर कुछ बदमाशों ने मारपीट की थी। इसके बाद उन्हें इलाज के लिए सेक्टर 16 फरीदाबाद स्थित निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया। इस मामले में पुलिस ने बुधवार को तीन लोगों को गिरफ्तार भी किया है। वारदात में घायल प्रदीप चौधरी को देखने के लिए अस्पताल पहुंचे पूर्व उपमुख्यमंत्री ने कहा कि वारदात में दोनों घायलों की पसलियां टूट गई हैं।

24 घंटे बाद तक पुलिस ने एफआईआर दर्ज नहीं की थी। मुख्यमंत्री तो कहते हैं कि मैं गर्व करता हूं अपनी पुलिस पर लेकिन पुलिस की यह हालत है। 15 से 20 लोग इस घटना क्रम में शामिल थे इसमें से तीन लोगों को एक बार व चार लोगों को एक बार में पकड़ गया है। इस वारदात की सीसीटीवी फुटेज भी सामने हैं। हमने पुलिस आयुक्त ने भी बात की थी हम मांग करते हैं कि पुलिस को सीनियर एसीपी रैंक के अधिकारी से इसकी जांच करवानी चाहिए। वहीं शराब के ठेके ना उठने और व्यापारियों द्वारा डर के कारण ठेके के लिए आवेदन न करने को लेकर भी उन्होंने सरकार पर हमला बोला। कांग्रेस के जिला अध्यक्ष के चयन को लेकर उन्होंने कहा कि 13 साल में जिलाध्यक्ष नहीं चुन पाए तीन दिन में कैसे चुन लेंगे।

दुष्यंत चौटाला नाम बताएं मुख्यमंत्री से मिलने से किसने रोका : अरविंद शर्मा

सहकारिता, कारागार, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने पूर्व उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला पर पलटवार करते हुए कहा है कि आरोप लगाने से कुछ नहीं होता, दुष्यंत चौटाला स्वयं गठबंधन सरकार में उप-मुख्यमंत्री रहे हैं। मुख्यमंत्री से मिलने से कौन रोक रहा है। अगर उनके पास ऐसे अधिकारियों के नाम है, जो अपराधियों से मिलीभगत किए हुए हैं तो वह लिखकर दे दे। दुष्यंत चौटाला को तो स्वयं मुख्यमंत्री से मिलकर कार्रवाई करवानी चाहिए। शर्मा शुक्रवार को पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु की मां व पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा की भाभी के निधन पर शोक व्यक्त करने के बाद मीडिया से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में बदमाशों के लिए कोई स्थान नहीं है।

रीजेंसी टावर में भीषण आग

» दो कर्मचारी सकुशल बाहर निकाले गए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कैसरबाग थानाक्षेत्र के हेवेट रोड स्थित रीजेंसी टावर में सोमवार देर रात आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। आग इमारत की दूसरी मंजिल पर स्थित राष्ट्रीय ओलमा काउंसिल के दफ्तर में लगी, जिसकी सूचना मिलते ही दमकल की पांच गाड़ियां और एक हाइड्रा मौके पर पहुंचीं और करीब चार घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। आग लगने की वजह फिलहाल शॉर्ट सर्किट मानी जा रही है, जिसकी पुष्टि आगे जांच में होगी।

जिस समय आग लगी, बिल्डिंग के ऊपरी तल पर विद्युत विभाग का कार्यालय भी संचालित हो रहा था, जिसमें मौजूद दो कर्मचारी मनीष यादव और श्याम सुंदर शर्मा — धुएं के कारण भीतर फंस गए थे। बिल्डिंग के पीछे की ओर से सिपाही अक्षय कुमार चौधरी ने धुएं में फंसे कर्मचारियों की टॉर्च की रोशनी देखी और मोबाइल संपर्क के माध्यम से दोनों को सुरक्षित बाहर निकलवाया। एसीपी कैसरबाग, इंस्पेक्टर और सीएफओ खुद मौके पर पहुंचे और रेस्क्यू ऑपरेशन की निगरानी की।

कर्नाटक में सीएम बदलने को लेकर मची 'रार'

कई विधायकों का उपमुख्यमंत्री को समर्थन का दावा, कांग्रेस आलाकमान ने अटकलों को नकारा, भाजपा ने कसा तंज, कौन है शीर्ष नेतृत्व

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों पर भले ही कल विराम लगाने का दावा किया गया हो लेकिन जो कुछ भी चल रहा है, उससे साफ है कि कांग्रेस में सब कुछ ठीक नहीं। कांग्रेस नेता आर.वी.देशपांडे ने बीते दिन ही कहा था कि सीएम बदलने के बारे में किसी तरह का कोई प्रस्ताव या चर्चा नहीं हुई है। लेकिन कांग्रेस एमएलए इकबाल हुसैन ने हाल ही में जो बयान दिया है, उससे साफ है कि कर्नाटक कांग्रेस में सब कुछ वैसा नहीं है जैसा ऊपर से बताया जा रहा है। इन सबके बीच मुख्य विपक्षी दल बीजेपी ने कांग्रेस पर निशाना साधना शुरू कर दिया है।

वहीं सिद्धारमैया ने पहले कहा था कि कांग्रेस पार्टी के भीतर अंदरूनी कलह कहां है। राजन्ना ने बस इतना कहा है कि राजनीतिक घटनाक्रम का विकास हो रहा है, उन्होंने यह नहीं कहा कि ऐसी-ऐसी चीजें होंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर आप अटकलें लगाने वाली खबर लिखते हैं तो क्या किया जा सकता है। इसे नजरअंदाज करना ही बेहतर है।

सिद्धारमैया कलह की खबरों को कर चुके हैं खारिज

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारामैया ने राज्य में सत्तारूढ़ कांग्रेस में कलह की खबरों को खारिज कर दिया था सिद्धारमैया ने लोगों से सहकारिता मंत्री के एन राजन्ना के इस बयान को नजरअंदाज करने को कहा कि राज्य में सत्तारूढ़ कांग्रेस में सत्ता के कई केंद्र हैं।

पार्टी हाईकमान के हाथ में फैसला : खरगे

कर्नाटक में संभावित नेतृत्व परिवर्तन को लेकर नए सिरे से चर्चा के बारे में पूछे जाने पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का एक ही जवाब था, यह पार्टी हाईकमान के हाथ में है। डीके शिवकुमार को कर्नाटक का मुख्यमंत्री बनाए जाने पर खरगे ने संवाददाताओं से कहा कि कोई नहीं कह सकता कि हाईकमान में क्या चल रहा है। कांग्रेस नेताओं के लिए हाईकमान पर फैसले टालना आम बात है, लेकिन जब पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे भी ऐसा ही करते हैं, तो लोगों की भौहें तन जाती हैं। उनकी टिप्पणियों से अवसर भाजपा के इस आरोप को बल मिलता है कि सोनिया गांधी और उनके बच्चे- राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा- पर्दे के पीछे से पार्टी चला रहे हैं।

डीके शिवकुमार के पक्ष में 100 से ज्यादा विधायक : इकबाल

इकबाल हुसैन ने कहा कि सिर्फ मैं ही नहीं, 100 से ज्यादा विधायक बदलाव के पक्ष में हैं। उनमें से कई इस पल का इंतज़ार कर रहे है। वे सुशासन चाहते हैं और मानते हैं कि डी.के. शिवकुमार को एक मौका मिलना चाहिए। उन्होंने पार्टी के लिए अथक काम किया है और संगठन को मज़बूत करने में अहम भूमिका निभाई है। केपीसीसी अध्यक्ष बनने के बाद से पार्टी की किस्मत में आए बदलाव को सभी ने देखा है। उनके प्रयासों की वजह से, ज्यादा से ज्यादा लोग उनके लिए अपना समर्थन व्यक्त कर रहे हैं और उनके साथ खड़े होने के लिए तैयार हैं।

कांग्रेस हाईकमान एक भूत की तरह : तेजस्वी सूर्या

खड़गे पर कटाक्ष करते हुए भाजपा नेता तेजस्वी सूर्या ने सवाल किया कि अगर कांग्रेस अध्यक्ष नहीं हैं, तो यह हाईकमान कौन है, जिसे हमेशा महसूस किया जाता है। एक्स पर एक पोस्ट में सूर्या ने खरगे पर तीखा कटाक्ष करते हुए लिखा-कांग्रेस हाईकमान एक भूत की तरह है। यह अदृश्य है, अनसुना है, लेकिन हमेशा महसूस किया जाता है। यहां तक कि कांग्रेस अध्यक्ष, जिन्हें लोग हाईकमान समझते थे, वे भी इसका नाम फुसफुसाते हैं और कहते हैं कि यह वे नहीं हैं। कितना भयानक है! कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता और भाजपा के आर अशोक ने खरगे को एक और एक्सीडेंटल नेता बताया। अशोक ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, अब यह मल्लिकार्जुन खरगे हैं, जो आकस्मिक एआईसीसी अध्यक्ष हैं और गर्व से स्वीकार करते हैं कि उन्हें नहीं पता कि हाईकमान क्या सोच रहा है।

बृजभूषण शरण सिंह ने की सपा प्रमुख अखिलेश यादव की तारीफ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश स्थित गोंडा की कैसरगंज संसदीय क्षेत्र के पूर्व सांसद व भारतीय जनता पार्टी के दिग्गज नेता बृजभूषण सिंह ने उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव को लेकर बड़ा बयान दिया है। संत कबीर नगर में भाजपा ने अखिलेश यादव को लेकर ऐसी बातें कही हैं जिससे सियासी पारा चढ़ना तय है।

पूर्व सांसद बृज भूषण शरण सिंह ने अखिलेश यादव की तारीफ की है। बृजभूषण शरण सिंह ने अखिलेश यादव की तारीफ करते हुए कहा कि अखिलेश यादव धार्मिक व्यक्ति है, उनके पिता मुलायम सिंह यादव हनुमान जी के प्रशंसा करते थे, श्री कृष्ण के वंशज है। अखिलेश यादव अभी बहुत ही सुंदर मंदिर बनवाया था वो श्री कृष्ण के वंसज है। पूर्व सांसद ने आगे कहा, अखिलेश यादव मजबूरी में धर्म का विरोध करते है, वो धर्म के विरोधी नहीं है, मजबूरी उनसे करवा रही है। आपको बताते चलें कि पूर्व सांसद बृज भूषण सिंह संत कबीर नगर में पूर्व सांसद शरद त्रिपाठी के चौथी पुण्यतिथि में अतिथि के रूप में आए थे।

कथा वाचक से मारपीट गलत

पूर्व सांसद बृज भूषण शरण सिंह ने इटावा कथा वाचक मारपीट मामले में कहा है कि इटावा में कथा वाचक को जो मारा पीटा गया वो बहुत गलत है। पूर्व सांसद ने यह भी कहा कि कथा कहने का अधिकार सभी को है जो लोग शूद्र होने के नाते कथा वाचक की आलोचना करते है। उनको वेदव्यास और विदुर की जीवनी पढ़नी चाहिए, लेकिन उसके बाद जिस तरीके से जिस प्रकार जाति की राजनीति हो रही किसी जाति विशेष को अपमानित करने का काम हो रहा है. यह भी नहीं होनी चाहिए।

अगर बीजेपी को बिहार में आने से रोकना है तो हमसे हाथ मिलाओ : ओवैसी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। बिहार चुनाव को लेकर एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने बड़ा बयान दिया है। ओवैसी ने कहा है कि अगर बिहार में बीजेपी को रोकना है तो अख्तरुल ईमान के प्रस्ताव को मानना होगा। दरअसल एआईएमआईएम के बिहार प्रदेश अध्यक्ष अख्तरुल ईमान ने इंडिया ब्लॉक से दोस्ती का हाथ बढ़ाया था।

एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने एक्स पर एक वीडियो पोस्ट किया हैद्ध जिसमें वो कह रहे हैं बिहार का इलेक्शन आ रहा है तो ये वोट काटने की बात कह रहे हैं मैं 56 साल का हो चुका हूं, अब मेरी उम्र नहीं है ये काम करने की। तुम देखो कि क्यों हार रहे हो? अगर बीजेपी को बिहार में आने से रोकना है तो हमसे हाथ मिलाओ। पार्टी प्रमुख ओवैसी ने कहा है कि ये सब अब राजनीतिक पार्टियों पर निर्भर करता है कि क्या वो हमारे साथ आकर बीजेपी को रोकेंगे। हम इंडिया ब्लॉक के साथ मिलकर बिहार में काम करना चाहते हैं। एआईएमआईएम की तरफ से कई बार बिहार में मिलकर इलेक्शन लड़ने की बात हो रही है, पर दूसरी तरफ से अभी तक किसी भी नेता या पार्टी का बयान सामने नहीं आया है।

एलन मस्क को सबसे ज्यादा सरकारी मदद दी : राष्ट्रपति ट्रंप

» टेस्ला के सीईओ पर गुस्साए अमेरिकी राष्ट्रपति ने दे धमकी

» कहा- बंद करनी पड़ेगी दुकान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

न्यूयार्क। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और टेस्ला के सीईओ एलन मस्क के बीच विवाद एक बार फिर से गहरा गया है। ट्रंप ने एलन मस्क पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि मस्क को अब तक किसी भी इंसान से ज्यादा सरकारी सब्सिडी मिली है, उन्होंने कहा कि अगर यह सरकारी मदद नहीं मिली होती तो मस्क को शायद अपना कारोबार बंद कर अपने देश साउथ अफ्रीका लौटना पड़ता।

उन्होंने टेस्ला की एक टीम डीओजीई का भी जिक्र किया और कहा कि उन्हें मस्क की सरकारी फंडिंग और कॉन्ट्रैक्ट्स की जांच करनी चाहिए। ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर मस्क पर तीखा हमला करते हुए कहा कि मस्क को अब तक किसी भी इंसान से सबसे ज्यादा सरकारी सब्सिडी मिली है। उन्होंने कहा, अगर ये सब्सिडी बंद हो जाए तो एलन मस्क को अपनी कंपनियां बंद करनी पड़ेंगी और उन्हें साउथ अफ्रीका वापस जाना होगा। न रॉकेट उड़ेंगे, न सैटेलाइट बनेंगे, न इलेक्ट्रिक कारें तैयार होंगी। इससे देश की बहुत बड़ी बचत होगी। ट्रंप के इस नए बिल में इलेक्ट्रिक गाड़ियों पर मिलने वाली 7,500 की टैक्स छूट खत्म करने का प्रस्ताव है। इससे पहले ट्रंप ने सोमवार को कहा, एलन मस्क को बहुत पहले से पता था कि मैं इलेक्ट्रिक व्हीकल मैनडेट के खिलाफ हूं।

हिमाचल में बादल फटने से तबाही, नौ की मौत, 18 लापता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मंडी। हिमाचल प्रदेश में जगह-जगह बादल फटने से भारी तबाही हुई है। प्रदेश में बीती रात से जारी मूसलाधार बारिश कर बरपा रही है। मंडी जिले के गोहर, करसोग व धर्मपुर क्षेत्र बादल फटने से एक व्यक्ति की मौत हुई है। लगभग 9 लोगों के बह जाने की खबर है।

वहीं अभी 18 अभी तक लापता बताए जा रहे हैं। 39 लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया है। प्रशासन की ओर से राहत एवं बचाव चलाया जा रहा है। बादल फटने के बाद करसोग में एक व्यक्ति की मौत हुई है। जबकि चार लापता लोगों की तलाश का कार्य चल रहा है। गोहर उपमंडल के स्यांज में नौ लोग लापता हैं। सराज क्षेत्र के बाड़ा में दो और तलवाड़ा में तीन लोग लापता हैं।

तेलंगाना फार्मा प्लांट विस्फोट में अब तक 35 की मौत

» सीएम रेड्डी ने घटनास्थल का दौरा किया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। पशम्यलारम में सिगाची इंडस्ट्रीज के फार्मा प्लांट में हुए विस्फोट में जान गंवाने वालों की संख्या बढ़कर 35 हो गई है। जिला पुलिस अधीक्षक परितोष पंकज ने मंगलवार सुबह बताया कि मलबा हटाते वक्त कई शव बरामद हुए। मलबे से अब तक 31 शव निकाले जा चुके हैं, जबकि तीन की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। इस बीच मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी अपने कुछ कैबिनेट साथियों के साथ दुर्घटनास्थल पर पहुंचे।

मियापुर में प्रणाम अस्पताल के एक वरिष्ठ अधिकारी से संपर्क करने पर पता चला कि सोमवार को उनके यहां जलने और सिर में चोट लगने के कारण 21 मरीज आए थे। हालांकि, दो को मृत घोषित कर दिया गया और एक की आज सुबह मौत हो गई। पटांचेरू में ध्रुव अस्पताल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सोमवार को उनके यहां 11 मरीज आए थे, जिनमें से दो को सुपरस्पेशलिटी अस्पताल रेफर किया गया। अधिकारी ने कहा, नौ मरीजों में से पांच वेंटिलेटर पर हैं। हमारे पास सात मरीज हैं, जो 40-80 प्रतिशत तक जले हुए हैं और दो 10 प्रतिशत जले हुए हैं।

केमिकल रिएक्शन की वजह से हादसा

फार्मा कंपनी में सोमवार को हुई घातक दुर्घटना के पीछे केमिकल रिएक्शन एक बड़ी वजह हो सकती है। कंपनी की वेबसाइट के मुताबिक, सिगाची इंडस्ट्रीज लिमिटेड एक फार्मास्युटिकल कंपनी है, जो सक्रिय फार्मास्युटिकल सामग्री (एपीआई), इंटरमीडिएट्स, एक्सिपिएंट्स, विटामिन-मिनरल ब्लेंड्स, संचालन और प्रबंधन (ओएंडएम) सेवाओं के लिए जानी जाती है।

तमिलनाडु के शिवकाशी में पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट

चेन्नई। तमिलनाडु के शिवकाशी में एक पटाखा फैक्ट्री में हुए शक्तिशाली विस्फोट में दो महिलाओं समेत कम से कम छह लोगों की मौत हो गई है। बताया जा रहा है कि यह विस्फोट विरुधुनगर जिले के चिन्नाकमनपट्टी के पास गोकुलेश पटाखा फैक्ट्री में हुआ। फैक्ट्री से घना धुआं उठता देखा गया और अंदर पटाखों में लगातार विस्फोट हो रहे थे। अब तक कई गंभीर रूप से घायल लोगों को बचाया जा चुका है। मंगलवार सुबह तमिलनाडु में एक पटाखा फैक्ट्री में हुए विस्फोट में छह लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। बताया जा रहा है कि यह विस्फोट विरुधुनगर जिले के शिवकाशी के पास चिन्ना कमानपट्टी गांव में एक पटाखा फैक्ट्री में हुआ। सूत्रों के अनुसार, विस्फोट के कारण भीषण आग लग गई और फैक्ट्री से घना धुआं उठता देखा गया और अंदर से लगातार पटाखों के फटने की आवाजें आ रही थीं। विस्फोट का सही कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज़ नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार : सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार : संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट : हसन जैदी, दूरभाष : 0522- 4078371 | Email : daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।